सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" नफरत से कोई मुक़ाम नही मिलता , झूठ से कभी सम्मान नही मिलता, जो दिल साफकर कर चलते है , उन्हे हार कर भी कभी नुकसान नहीं होता...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–283 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 01 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

लखनऊ में गरमाई सियासत : अमित शाह के 'अंगद के पैर' वाले दावे और MLC नतीजों ने बदले समीकरण

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लखनऊ दौरे और विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ा दिया है।

लगभग 9 महीने बाद लखनऊ पहुंचे अमित शाह ने भाजपा की राज्य कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश की। राजनीतिक प्रस्ताव उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने रखा।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि यूपी में भाजपा सरकार अंगद के पैर की तरह है, जिसे कोई हिला नहीं सकता। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी गिले-शिकवे भुलाकर अर्जुन की तरह चिड़िया की आंख यानी चुनावी जीत पर फोकस करने को कहा। अपने संबोधन में शाह ने 30 अक्टूबर 1990 की कार सेवा का जिक्र कर हिंदुत्व की पिच को भी मजबूत करने का प्रयास किया।

छाता विवाद से उजागर हुआ अंदरूनी अंतर्विरोध

शाह के दौरे के दौरान एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिसने पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी की चर्चा को और हवा दे दी। तस्वीर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए उनका सुरक्षाकर्मी छाता पकड़े हुए दिखा, जबकि अन्य नेता अपना छाता खुद पकड़े थे।



इस पर भाजपा के राज्यसभा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा – "अपना हाथ जगन्नाथ... गृह मंत्री अमित शाह की सादगी और आत्मनिर्भरता देखिए, अपना काम खुद ही करने में विश्वास रखते हैं।" सियासी गलियारों में इसे दिल्ली बनाम लखनऊ की खींचतान के रूप में देखा जा रहा है।

MLC चुनाव के नतीजों ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

विधान परिषद चुनाव के नतीजों ने समाजवादी पार्टी का हौसला बढ़ा दिया है। भाजपा को 6 सीटों पर जीत मिली तो सपा ने भी 5 सीटों पर कब्जा जमाकर कड़ी टक्कर दी। वाराणसी समेत कई अहम सीटों पर हार के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे "डबल इंजन की डबल हार" बताया।

भाजपा के लिए सबसे बड़ी चिंता गैर-यादव ओबीसी, खासकर कुर्मी वोट बैंक में सेंधमारी है। लखनऊ स्नातक एमएलसी सीट पर सपा समर्थित उम्मीदवार कांत सिंह ने 17 हजार से अधिक वोटों से जीत दर्ज की, जो कुर्मी समुदाय से आती हैं।

इस नुकसान को रोकने के लिए भाजपा ने अब कुर्मी समाज के बड़े चेहरों को आगे करना शुरू कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संतोष गंगवार की बेटी श्रुति गंगवार को संगठन में सक्रिय किया जा रहा है।

संगठन में सुस्ती पर भी उठे सवाल

पिछले चुनाव की तैयारियों की तुलना में इस बार संगठन में सुस्ती भी चर्चा का विषय है। वर्ष 2021 में विधानसभा चुनाव से काफी पहले मंडल और विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति हो गई थी, जबकि इस बार यह प्रक्रिया अक्टूबर तक खिंच गई है।

कुल मिलाकर अमित शाह के चुनावी प्रबंधन और अखिलेश यादव की आक्रामक रणनीति के बीच यूपी का सियासी मुकाबला आने वाले दिनों में और दिलचस्प होने वाला है।

जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में खींचतान, 24 विधायक हुए नाराज



नई दृष्टिबिंदु / श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में असंतोष बढ़ने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी के 41 में से 24 विधायक नाराज हैं।

शुक्रवार को श्रीनगर में 18 विधायकों ने अलग बैठक की, जबकि छह विधायक ऑनलाइन जुड़े। बैठक में सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए गए और सीएम के सलाहकार नासिर असलम वानी तथा डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी को हटाने की मांग की गई।

17 अक्टूबर को हुए कैबिनेट विस्तार के बाद से यह असंतोष सामने आया है। वरिष्ठ विधायकों की शिकायत है कि फैसलों में उनकी भूमिका सीमित है और वे मंत्रिमंडल में बदलाव व अधिकार बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पार्टी का तर्क है कि केंद्रशासित प्रदेश में पद सीमित हैं, पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने पर मंत्रिमंडल बढ़ा हो सकता है। वहीं मुबारक गुल की जगह अली मोहम्मद सागर को पार्टी महासचिव बनाने से भी खींचतान बढ़ी है।

हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने बगावत से इनकार किया है। प्रांतीय सचिव शौकत मीर ने इसे सामान्य मुलाकात बताया और माना कि कुछ विधायक मंत्री न बन पाने से नाराज हो सकते हैं। मंत्री जावेद राणा ने आरोप लगाया कि भाजपा 2019 से पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है, लेकिन 'ऑपरेशन लोटस' सफल नहीं होगा। भाजपा नेता सुनील शर्मा ने विधायकों को तोड़ने की कोशिश से इनकार किया, लेकिन कहा कि 15 दिन बाद स्थिति अलग हो सकती है।

विधानसभा का गणित

90 सदस्यीय विधानसभा में उमर सरकार को 53 विधायकों का समर्थन है। इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के 41, कांग्रेस के 6, 5 निर्दलीय और माकपा का 1 विधायक शामिल है। बहुमत के लिए 46 विधायक जरूरी हैं। फिलहाल किसी विधायक के समर्थन वापस लेने की पुष्टि नहीं हुई है।

विपक्ष का 'जन महाभियोग' – सीईसी ज्ञानेश कुमार पर 6 आरोप, राहुल बोले – 2024 का चुनाव अवैध

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

इंडिया गठबंधन ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग' किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास के लॉन में करीब साढ़े 3 घंटे तक चली मॉक पार्लियामेंट की अध्यक्षता पूर्व स्पीकर मीरा कुमार ने की। मंच और बैठने की व्यवस्था संसद जैसी थी। कार्यवाही में 19 दलों के 215 सांसद शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सीईसी पर वोट चोरी की साजिश रचने, मोदी-शाह के इशारे पर काम करने और 13.2 करोड़ वोट हटाने सहित 6 गंभीर आरोप लगाए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 13.3 करोड़ वोटर्स हटाए गए हैं, जो कुल वोटर्स का 15% हैं, जबकि 2024 के चुनाव में जीत-हार का अंतर सिर्फ 3% था। इससे निर्वाचन आयोग खुद मान रहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था और भाजपा के लोग अवैध तरीके से सदन पहुंचे। राहुल ने कहा कि सीईसी पर देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष को बागीचे में बैठना पड़ा क्योंकि बाकी सभी संस्थान बंद हैं। इधर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस बाहरी ताकतों के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि एसआईआर के आदेश तीनों आयुक्तों ने सर्वसम्मति से मंजूर किए थे।



जन महाभियोग से सीईसी नहीं हटेंगे। यह सिर्फ विरोध का प्रतीक है। सीईसी को हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव पर लोकसभा के 100 या राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर चाहिए, जांच समिति बनती है और दोनों सदनों में विशेष बहुमत जरूरी होता है। गत मार्च में नोटिस खारिज हुए थे, अप्रैल में नया नोटिस दिया गया जो रिपोर्ट के मुताबिक लंबित है।

यूपी में 1.27 करोड़ हिंदू वोटर गायब - योगी

वहीं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य की मतदाता सूची से 1.27 करोड़ हिंदू वोटर गायब हैं। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं से एसआईआर के दौरान सतर्क रहने को कहा।

रामलीला मैदान 14 जोन में बंटा, ड्रोन से नजर – इंडिया गठबंधन की रैली में 10 लाख भीड़ का दावा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने 50 हजार लोगों की भीड़ को ध्यान में रखकर योजना बनाई है, जबकि आयोजकों ने 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया है। शनिवार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने डीसीपी सेंट्रल के साथ मैदान पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

सुरक्षा व्यवस्था : पुलिस ने रामलीला मैदान को 14 जोन में बांटा है। प्रत्येक जोन की निगरानी एसीपी स्तर के अधिकारी करेंगे। करीब 3500 पुलिसकर्मी, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कंपनियां और रिजर्व फोर्स की 10 कंपनियां तैनात रहेंगी।200 से 250 हाई डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित फेस स्कैनिंग कैमरे और बॉडी वॉर्न कैमरे लगाए गए हैं। लाइव फुटेज की निगरानी कंट्रोल रूम से होगी। प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और बैगेज स्क्रीनिंग होगी। 8 में से 3 गेट आम लोगों के लिए खुलेंगे। दो स्तर पर तलाशी और आपात स्थिति के लिए अलग निकासी मार्ग रहेगा। यातायात के लिए 350 ट्रैफिक पुलिसकर्मी और 100 से अधिक होमगार्ड तैनात होंगे।

मार्च को लेकर असमंजस : कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मुताबिक रविवार दोपहर 12 बजे कनॉट प्लेस के मिंटो रोड टी-पॉइंट से 'चलो दिल्ली' मार्च शुरू होगा जो अजमेरी गेट होते हुए रामलीला मैदान पहुंचेगा। पुलिस का कहना है कि केवल मैदान में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक रैली की एनओसी दी गई है। मार्च के लिए अलग से कोई औपचारिक आवेदन नहीं मिला है, इसलिए रैली की अनुमति को मार्च की अनुमति नहीं माना जा सकता।

व्यापारियों ने रैली टालने की मांग की : रैली से पुरानी और मध्य दिल्ली के कारोबारी इलाकों में व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर रैली 10 नवंबर के बाद या दूसरी जगह कराने की मांग की है। सीटीआई के मुताबिक चांदनी चौक समेत 20-21 बाजार प्रभावित हो सकते हैं, जहां रोजाना 10-12 हजार करोड़ का कारोबार होता है। 10 लाख लोगों के आने पर 15-20 हजार वाहन, जिनमें 10-12 हजार बसें शामिल हो सकती हैं, दिल्ली पहुंचेंगे।

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन, किराना कमेटी दिल्ली और दिल्ली गुड्स ट्रांसपोर्ट यूनियन ने भी रैली टालने की मांग की है। व्यापारियों के मुताबिक धनतेरस से दिवाली के बीच दिल्ली में करीब 25 हजार करोड़ का कारोबार होता है।

पीलीभीत की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की जांच के बाद यूपी के सीईओ नवदीप रिणवा ने राज्यभर के बीएलओ ऑपरेटरों की ईसीआईनेट लॉगिन आईडी निष्क्रिय करने का आदेश दिया। जांच में 31 मई से 29 अगस्त के बीच 13,779 फॉर्म गलत तरीके से दर्ज किए जाने का खुलासा हुआ था।

मंगोलपुरी में जूता फैक्ट्री में भीषण आग, 4 मजदूरों की मौत, 2 घायल – दो गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

दिल्ली के मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 में शुक्रवार रात एक जूता फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 4 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 2 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान बिहार के नालंदा निवासी अशोक (25), मंगोलपुरी निवासी हरिहर (40), लाल बाबू (38) और प्रेम चंद (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में 2 आरोपियों सुरेश चंद और अशोक (47) को गिरफ्तार किया है। फैक्ट्री मालिक को पूछताछ के लिए समन भेजा गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार रात करीब 9:30 बजे फैक्ट्री के बेसमेंट में आग लगी थी। इमारत में भूतल के अलावा 3 मंजिलें थीं और चौथी मंजिल पर निर्माण कार्य चल रहा था। दमकल की 31 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर शनिवार सुबह करीब 6 बजे आग पर काबू पाया। धुएं के कारण ऊपरी मंजिलों पर बचाव अभियान में काफी मुश्किल आई।

बचाव अभियान के दौरान तीसरी मंजिल पर 1 और चौथी मंजिल के कमरे में 5 मजदूर बेहोशी की हालत में मिले। सभी 6 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। घायल विकास की हालत स्थिर है, जबकि हरिदर वेंटिलेटर पर है। राज पार्क थाने में बीएनएस की धारा 287, 125(ए), 105 और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।



परिजनों ने मालिक पर लगाए आरोप

मृतकों के परिजन ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद फैक्ट्री मालिक ने उनसे संपर्क नहीं किया। हरिहर के रिश्तेदार मुखदेव ने बताया कि उनका फोन बंद था। अशोक के रिश्तेदार उमेश प्रसाद के अनुसार अशोक ने रात 9:20 बजे फोन कर फैक्ट्री में आग लगने की सूचना दी थी। स्थानीय मजदूरों ने इमारत में पर्याप्त निकास और आपातकालीन रास्ते नहीं होने का आरोप लगाया है।

सीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे को बेहद दुखद और पीड़ादायक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अधिकारियों को घायलों का समुचित इलाज और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता के निर्देश दिए हैं।

बिलासपुर में 5 करोड़ का लोन घोटाला, 11 फर्जी फर्मों के नाम पर लिया ऋण - बैंक मैनेजर समेत 2 पर चालान

बिलासपुर। 11 फर्जी फर्मों के नाम पर 5 .04 करोड़ के लोन घोटाले में EOW-ACB ने बड़ी कार्रवाई की है। तत्कालीन बैंक मैनेजर राहुल कुमार सिन्हा और विश्वजीत भौमिक के खिलाफ विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), बिलासपुर में चालान पेश किया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की राजकिशोर नगर शाखा को 5,04,15,000 रुपये की क्षति पहुंची है। जांच में सामने आया कि जरहाभाटा स्थित उड़ान माइक्रो फाइनेंस के संचालक विश्वजीत भौमिक ने लोगों के आधार, पैन और ड 3 दस्तावेज लेकर उनकी जानकारी के बिना फर्में बना लीं। 20 मार्च 2018 से 3 मई 2019 के बीच तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने नियमों को दरकिनार कर 11 अपात्र फर्मों को कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट, बैंक गारंटी और टर्म लोन मंजूर किए। तीन फर्मों के दुकान पंजीयन फर्जी निकले, सात फर्मों के GST रिटर्न एक ही कार्यालय से दाखिल हुए और मौके पर कोई व्यावसायिक इकाई नहीं मिली। 11 खाते 2019 में ही NPA हो गए। ऋण की रकम कारोबार में न लगकर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर NSIC के जरिए आरोपी की अपनी फर्म ए.बी. फास्टनर्स तक पहुंचाई गई। असंबंधित लोगों की संपत्तियां भी बिना जानकारी के बंधक रखी गईं। दोनों आरोपियों पर धारा 420, 467, 468, 471, 120-इ और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में चालान पेश किया गया है।

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और मैनपाट टाइटन्स छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के फाइनल में



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और मैनपाट टाइटन्स ने फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने अंक तालिका में शीर्ष पर रही न्यायधानी नाइट्स को 6-3 से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मैनपाट टाइटन्स ने बैलाडीला बुल्स को 3-1 से पराजित किया।

पहले सेमीफाइनल में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और न्यायधानी नाइट्स के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। शुरूआती क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। इसके बाद आशीष तानी पूर्ति ने पेनल्टी कॉर्नर से अपना 13वां गोल दागकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। संस्कारधानी की ओर से शाहरुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक लगाई, जबकि अरबाज अली, आर्यन जेस और ओम कुमार यादव ने भी गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस मुकाबले के साक्षी लीग के ब्रांड एम्बेसडर ओलंपियन सरदारा सिंह, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी श्रेयांश जायसवाल, IBC24 के संपादक विश्वेश ठाकरे, NTPC के GM-HR प्रवीण गर्ग, SARDA के प्लांट हेड मनोज शाह और SBI के CM-HR-AO गौरव यादव हॉकी इंडिया के सह सचिव फि रोज अंसारी, छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव बने।

दूसरे सेमीफाइनल में मैनपाट टाइटन्स और बैलाडीला बुल्स के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ। मैनपाट की ओर से संदीप कुमार ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए पहला गोल किया। इसके बाद प्रिंस भगत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और टीम की जीत सुनिश्चित की। बैलाडीला बुल्स की ओर से अंकित कुजूर ने मैच के अंतिम क्षणों में गोल किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। मैनपाट टाइटन्स ने यह मुकाबला 3-1 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरे सेमीफाइनल के दौरान INH न्यूज के चैनल हेड एवं छत्तीसगढ़ साइकिलिंग एसोसिएशन और टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष हिमांशु द्विवेदी, BCCI के कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, CGTB की DGM पूनम शर्मा, BALCO के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन हेड विजय बाजपेयी, NTPC के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन DGM सहदेव सेठी, NMDC के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन सीनियर मैनेजर अजय कुमार तथा SBI के AGM-CPPC सतीश प्रसाद मुंड उपस्थित रहे।

अब छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के खिताब के लिए संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए खिताबी मुकाबले में भी रोमांचक हॉकी देखने को मिलने की उम्मीद है।



भिलाई में बिछी शतरंज की बिसात, 17 जिलों के 326 खिलाड़ी दिखा रहे दिमागी कौशल

छत्तीसगढ़ स्टेट रैपिड एवं ब्लिट्ज़ फीडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का डॉ. राहुल सिंह ने किया शुभारंभ, तीसरे चक्र के बाद स्पर्श खंडेलवाल शीर्ष पर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

छत्तीसगढ़ की धरती पर शतरंज की बिसात पर इन दिनों दिग्गज खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला जारी है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा अग्रसेन जन कल्याण समिति एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति भिलाई के सहयोग से सेक्टर-6 स्थित अग्रसेन भवन में छत्तीसगढ़ स्टेट रैपिड एवं ब्लिट्ज़ फीडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ बीएम शाह में पदम्श्री प्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. राहुल सिंह ने शतरंज की पहली चाल चलकर किया।

कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय निर्णायक रॉकी देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राहुल सिंह ने कहा कि शतरंज खेलने से मानसिक विकास में वृद्धि होती है। इससे व्यक्ति की सोचने, समझने और सही समय पर उचित निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरकर सामने आती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की।

इस अवसर पर जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष दिनेश जैन, दीपांकर सेन गुप्ता, अनिल शर्मा, धीरज चावरे, सुरेश होता, दिव्यांशु उपाध्याय, मनोज साहू एवं हर्ष मालेकर ने मुख्य अतिथि डॉ. राहुल सिंह और



अंतरराष्ट्रीय निर्णायक रॉकी देवांगन का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के 17 जिलों से कुल 326 खिलाड़ी रैपिड एवं ब्लिट्ज़ स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर अपनी शतरंज प्रतिभा और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में कुल 92 हजार 500 रुपये की नगद पुरस्कार राशि रखी गई है। वहीं इस स्पर्धा के माध्यम से दो-दो खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा।

प्रतियोगिता का रैपिड वर्ग अब बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। फीडे रेटेड टूर्नामेंट 2026 के तीसरे चक्र के मुकाबले समाप्त होने के बाद अंक तालिका में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है।

शुरूआती तीन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनांदगांव के स्पर्श खंडेलवाल ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं दुर्ग के दास अरुणाभ दूसरे और राजनांदगांव के श्रेयांश डकलिया तीसरे स्थान पर हैं। दुर्ग के शेख इदु भी तीन अंक अर्जित कर शीर्ष खिलाड़ियों की दौड़ में बने हुए हैं। प्रतियोगिता का संचालन मुख्य आर्बिटर एवं अंतरराष्ट्रीय निर्णायक रॉकी देवांगन की देखरेख में किया जा रहा है। उनकी निगरानी में सभी मुकाबले निर्धारित नियमों एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न हो रहे हैं। आयोजन समिति और सहयोगी टीम प्रतियोगिता को सफल बनाने में जुटी हुई है। जैसे-जैसे प्रतियोगिता अगले चक्रों की ओर बढ़ रही है, खिलाड़ियों के बीच मुकाबला और भी रोमांचक होता जा रहा है।

खास खबर

पटरी पार के वार्ड 58 और 16 में 39.30 लाख के सड़क निर्माण कार्यों का महापौर ने किया भूमिपूजन



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर निगम दुर्ग द्वारा शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इसी कड़ी में महापौर अलका बाघमार ने पटरी पार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 58 स्थित साईं नगर में 19.90 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 16 में 19.40 लाख रुपये की लागत से होने वाले चार सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों पर कुल 39.30 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

निर्माण कार्यों के तहत वार्ड 58 में जंघेल के घर से राजेंद्र के घर तक स्ट्रीट नंबर 7 में सीसी रोड तथा विश्वकांत पांडे के घर से लक्ष्मी निवास तक आरसीसी रोड का निर्माण होगा। वहीं वार्ड 16 में हिरेंद्र साहू के घर से धरसा रोड तक और महेंद्र साहू के घर से डीपीएस स्कूल की ओर तक सीसी रोड बनाई जाएगी।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पटरी पार सहित शहर के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। नागरिकों की मांग और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप सड़क, नाली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

सड़क निर्माण कार्यों की सौगात मिलने पर वार्डवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर निगम के पीडब्ल्यूडी प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, एमआईसी प्रभारी शशि साहू, पार्षद रेशमा गोलू सोनकर, युवराज कुंजम, खिलावन मटियारा, जितेंद्र राजपूत सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे।

बिहान से मिला आर्थिक संबल, मेडिकल स्टोर से चमकी वीणा की किस्मत

दुर्ग। मेहनत करने का जज्बा हो और सही समय पर सहयोग मिल जाए तो सफलता की राह आसान हो जाती है। ग्राम पंचायत पतोरा, विकासखंड पाटन की वीणा साहू ने इसे अपनी मेहनत से साबित कर दिखाया है। बिहान योजना के तहत स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने स्वरोजगार की राह पकड़ी और आज मेडिकल स्टोर के सफल संचालन से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन गई हैं। कभी अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने का सपना देखने वाली वीणा आज सालाना करीब 2.50 लाख की आमदनी अर्जित कर रही हैं। वीणा साहू 28 जुलाई 2019 को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत नर्मदा माता महिला समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, ऋण और स्वरोजगार के महत्व को समझने का अवसर मिला। उन्होंने समूह से मिले सहयोग को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाने का निर्णय लिया।

मेडिकल स्टोर व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए वीणा को 15 हजार रिवॉल्विंग फंड और 60 हजार सामुदायिक निवेश निधि के रूप में मिले। इसके साथ ही उन्होंने 1.50 लाख का बैंक ऋण लेकर अपने व्यवसाय का विस्तार किया। प्राप्त राशि से दुकान में आवश्यक दवाइयों और मेडिकल सामग्री का स्टॉक बढ़ाया। धीरे-धीरे उनका कारोबार आगे बढ़ने लगा और आसपास के ग्रामीणों को भी स्थानीय स्तर पर जरूरी दवाइयां उपलब्ध होने लगीं। आज वीणा साहू का मेडिकल स्टोर उनके परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन चुका है। बेहतर व्यवसाय प्रबंधन और निरंतर मेहनत से उनकी वार्षिक आय लगभग 2.50 लाख तक पहुंच गई है। इससे वे परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। वीणा साहू का कहना है कि बिहान समूह से जुड़ने के बाद उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ा। समूह से मिले आर्थिक सहयोग ने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने और आगे बढ़ाने का हौसला दिया। वीणा की यह सफलता बताती है कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को मिलने वाला वित्तीय सहयोग उनके लिए आत्मनिर्भरता के नए रास्ते खोल सकता है।

करंट से विनोद निषाद की मौत नगर निगम की घोर लापरवाही का परिणाम : धीरज बाकलीवाल

निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के सिकोला भाटा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 15 में बिजली के खंभे में करंट प्रवाहित होने से कांग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय निवासी विनोद निषाद की दर्दनाक मौत के मामले में कांग्रेस ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। घटना को नगर निगम की विद्युत व्यवस्था एवं सुरक्षा इंतजामों में गंभीर लापरवाही का परिणाम बताते हुए जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के पदाधिकारियों और क्षेत्रवासियों ने निगम आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने के साथ परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान करने की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि 28 अक्टूबर 2026 को बिजली के खंभे में करंट उतरने से विनोद निषाद की असमय मौत हो गई। कांग्रेसजनों ने कहा कि यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि विद्युत खंभों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था में बरती गई गंभीर लापरवाही का परिणाम है। यदि समय रहते विद्युत खंभों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार किया गया होता तो संभवतः आज एक परिवार का सहारा उनके बीच होता। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक के साथ आक्रोश का माहौल है।

प्रतिनिधिमंडल ने निगम आयुक्त के समक्ष घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग रखी। साथ ही पीड़ित परिवार को पर्याप्त आर्थिक मुआवजा देने तथा परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान करने की मांग की, ताकि परिवार को भविष्य में आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।



कांग्रेसजनों ने कहा कि नगर निगम की जिम्मेदारी केवल सड़क, नाली और निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उसका दायित्व है। यदि शहर में बिजली के खंभे ही लोगों की जान के लिए खतरा बन जाएं तो यह निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने मांग की कि शहर के सभी वार्डों में विद्युत खंभों, खुले तारों एवं विद्युत सुरक्षा व्यवस्था का तत्काल सर्वे कराकर आवश्यक सुधार कार्य कराए जाएं।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि स्वर्गीय विनोद निषाद की असमय मृत्यु अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। एक परिवार ने अपना कमाने वाला सदस्य खो दिया है। परिवार को असहनीय पीड़ा के साथ आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। यह घटना नगर निगम की घोर लापरवाही और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता को उजागर करती है। आखिर आम नागरिक की जान की कीमत क्या है? क्या प्रशासन किसी की जान जाने के बाद ही जागेगा?

बाकलीवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस अन्याय को चुपचाप बर्दाश्त नहीं करेगी। हमारी स्पष्ट मांग है कि घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को सम्मानजनक आर्थिक मुआवजा दिया जाए और परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान की जाए। केवल जांच का आश्वासन पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिवार को तत्काल राहत और न्याय मिलना चाहिए। जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता, जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर उनकी आवाज बनकर संघर्ष करती रहेगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान धीरज बाकलीवाल, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, रायसिंग दिकोला, दीपक साहू, अजय मिश्रा, विजयंत पटेल, भास्कर कुंडले, मनीष बघेल, नासिर खोखर, सुशील भारद्वाज, पायल पाटिल, देवश्री साहू, मनोज सिन्हा, मनीषा सोनी, देव सिन्हा, पप्पू श्रीवास्तव, अशोक मेहरा, लता साहू, गौरव उमरे, चंद्रमोहन गभने, मनीष सोनवानी, भूपेश सेन, ईश्वर साहू, हिमांशु सिन्हा, अमित सेन सहित सिकोला भाटा क्षेत्र के निवासी, कांग्रेसजन एवं स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कर 24.28 लाख रुपये की धोखाधड़ी, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जमीन की खरीदी-बिक्री के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में सुपेला पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर दूसरे की जमीन को स्वयं की बताकर शिकायतकर्ता से प्लॉट बिक्री एवं मकान निर्माण के नाम पर अलग-अलग किस्तों में कुल 24 लाख 28 हजार रुपये लेने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी अवतार सिंह और मनोज कुमार सोनी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी मोहन लाल देवांगन निवासी एलआईजी 491/492, हाउसिंग बोर्ड कोहका, भिलाई ने 7 अप्रैल 2025 को पुलिस अधीक्षक दुर्ग के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत में बताया गया कि वर्ष 2016 में मकान निर्माण के उद्देश्य से जमीन खरीदने के सिलसिले में उसकी मुलाकात आरोपी अवतार सिंह से हुई थी। अवतार सिंह ने अपने साथी के साथ जमीन की खरीदी-बिक्री का कारोबार करना बताया और प्रार्थी को मौजा कोहका स्थित खसरा नंबर 1704/88 की भूमि में से 1200 वर्गफीट का प्लॉट दिखाकर सौदा तय किया।

इसके बाद 30 सितंबर 2016 को आरोपी के माध्यम से प्रार्थी के पक्ष में जमीन की रजिस्ट्री कराई गई। प्रार्थी का आरोप है कि जमीन की खरीदी और मकान निर्माण के नाम पर आरोपियों ने उससे अलग-अलग किस्तों में कुल 23 लाख 28 हजार रुपये प्राप्त किए। बाद में उसे पता चला कि जिस जमीन पर मकान निर्माण कराया जा रहा था, वह वास्तव में माया सिंह नामक महिला की भूमि थी। मामले का खुलासा होने के बाद आरोपियों ने 22 सितंबर 2018 को इकरारनामा निष्पादित कर प्रार्थी को जमीन की कीमत के 23 लाख 28 हजार रुपये तथा रजिस्ट्री खर्च के एक लाख रुपये, इस प्रकार कुल 24 लाख 28 हजार रुपये वापस करने का आश्वासन दिया। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक, सुपेला शाखा के तीन चेक दिए गए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण तीनों चेक अनादरित हो गए।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने धोखाधड़ी की मंशा से 16 मार्च 2021 को मौजा कोहका स्थित खसरा नंबर 1704/2, रकबा 1200 वर्गफीट भूमि की रजिस्ट्री चिरंजीवन कोनार नामक व्यक्ति को फर्जी रूप से खड़ा कर उसके पक्ष में करा दी। आरोप है कि वास्तविक भूमि स्वामी को भुगतान किए बिना कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से यह रजिस्ट्री कराई गई। शिकायत की जांच के बाद प्रथम दृष्टया आरोपियों अवतार सिंह, मनोज कुमार सोनी एवं अन्य के विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र कर धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया। इस पर चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1635/2026 के तहत धारा 420, 120बी एवं 34 भादवि के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

एक पौधा बेटी के नाम अभियान के तहत 10 नवजात बच्चियों की माताओं को भेंट किए गए पौधे

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पाण्डु रंग रामा राव जिला चिकित्सालय के अंतर्गत संचालित मातृत्व एवं शिशु विभाग के तृतीय तल में एक पौधा बेटी के नाम अभियान के तहत 10 नवजात बच्चियों की माताओं को पौधे भेंट किए गए। इस पहल का उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, उनके सम्मान एवं महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रूढ़िवादी मानसिकता को समाप्त करने का संदेश देना है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

उल्लेखनीय है कि यह आयोजन विगत कई माह से जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर द्वारा निरंतर किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से नवजात बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने के साथ ही



उनके नाम पर पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

मातृत्व एवं शिशु विभाग में आयोजित पौधा वितरण कार्यक्रम के अवसर पर श्री सत्य साई सेवा समिति के साईं भक्त हरीश चंद ठाकुर, के. आर. मुदलियार, करणी सेना के जिला अध्यक्ष नीलू सिंह, ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर सहित वार्ड सिस्टर स्वाति, प्रदीप, राधिका एवं दिल्ली वार्ड के अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी ने अभियान की सराहना करते हुए इस तरह की सामाजिक पहल को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक पौधा बेटी के नाम अभियान समाज को यह प्रेरक संदेश दे रहा है कि बेटी का जन्म खुशियों और गर्व का विषय है। बेटियों के सम्मान के साथ प्रकृति की रक्षा का संकल्प भी प्रत्येक परिवार को लेना चाहिए।

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर ने इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर ने किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर द्वारा 31 अक्टूबर को देश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि तथा देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान का स्मरण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंदिरा गांधी प्रतिमा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात कांग्रेसजन पटेल चौक स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग



शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने दृढ़ नेतृत्व, दूरदर्शिता और साहसिक निर्णयों से देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत नेतृत्व क्षमता, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल रणनीति से देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनका व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। बाकलीवाल ने आगे कहा कि दोनों महान विभूतियों का जीवन हमें राष्ट्रसेवा, त्याग, समर्पण, एकता और भाईचारे की प्रेरणा देता है। वर्तमान समय में आवश्यकता है कि हम उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, अल्ताफ अहमद, अजय मिश्रा, मनीष बघेल, देवश्री साहू, विमल यादव, अशोक मेहरा, मुकेश साहू, फिरोज खान, प्रकाश शिवांकर, जगमोहन ढीमर, कल्याण सिंह ठाकुर, लाख नवरंग, सदाबहार, चंद्रशेखर पारख, सुभाष पॉल, ईश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मजदूरों को काम, गांवों को विकास की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

गांवों में रोजगार के साथ विकास की रफ्तार भी तेज हो रही है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी जी-राम-जी के तहत दुर्ग जिले में श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवों में टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। योजना के तहत अब तक 5,097.59 लाख रुपये यानी करीब 50.97 करोड़ रुपये की मजदूरी का भुगतान किया जा चुका है। वहीं, जिले में कुल 1,279 निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

-तीनों जनपदों में 13,329 श्रमिकों को मिल रहा काम

जिले के दुर्ग, धमधा और पाटन जनपद पंचायतों में वर्तमान में कुल 13,329 श्रमिक कार्यरत हैं। इनमें धमधा में 5,216, दुर्ग में 6,003 और पाटन में 2,110 श्रमिक शामिल हैं। योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान है। ग्रामीण ग्राम पंचायत के माध्यम से काम की मांग कर सकते हैं। मांग के 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि मजदूरी भुगतान को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए सिंगल नोडल अकाउंट के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण द्वारा राशि श्रमिकों के बैंक अथवा डाकघर खातों में भेजी जा रही है। स्वीकृत कार्यों और भुगतान की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि श्रमिकों को समय पर मजदूरी का लाभ मिल सके। जनपदवार भुगतान में पाटन में 1,840.27 लाख रुपये, दुर्ग में 1,728.26 लाख रुपये और धमधा में 1,529.06 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान किया गया है।

योजना के तहत स्वीकृत 1,279 निर्माण कार्यों में धमधा जनपद के 517, पाटन के 392 और दुर्ग के 370 कार्य शामिल हैं। तालाब, डबरी, जल निकासी, कच्ची नाली, ट्रेंच, भूजल संवर्धन और तालाब गहरीकरण जैसे कार्यों से जल संरक्षण और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, स्कूलों में आंतरिक कक्ष, मुक्तिधाम शेड, आंगनबाड़ी और बालिका शौचालय निर्माण से ग्रामीण आधारभूत सुविधाएं मजबूत होंगी।

इन कार्यों से एक ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर गांवों को लंबे समय तक उपयोगी परिसंपत्तियां भी मिलेंगी। इस तरह जी-राम-जी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ गांवों के समग्र विकास का आधार बन रही है।

किसानों की हित में फैसलों से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में अन्नदाता के सम्मान से बदल रहा छत्तीसगढ़ का कृषि परिदृश्य, तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी किसानों को 1 .40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की पहचान देश के धान के कटोरे के रूप में है। यहां की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार कृषि और किसान हैं। किसानों की समृद्धि को प्रदेश के विकास का आधार मानते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते तीन वर्षों में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, खेती को आधुनिक बनाने और कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के प्रयासों का व्यापक असर दिखाई दे रहा है। बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में धान खरीदी के महत्व को रेखांकित करता है।



तीन वर्षों में धान खरीदी और भुगतान का व्यापक दायरा : मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में लगभग 144.92 लाख मीट्रिक टन और वर्ष 2024-25 में लगभग 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। वर्ष 2025-26 में भी लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन हुआ। इन तीन खरीफ सीजन में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई और किसानों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। यह व्यवस्था किसानों को उनकी उपज का मूल्य उपलब्ध कराने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही है।

3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का निर्णय : किसानों के हित में मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टैक आईडी वाले पिछले वर्ष के पंजीकृत किसानों को पुनः पंजीयन से छूट दी गई है। उन्हें धान विक्रय के लिए समिति में ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता भी नहीं होगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे से रकबे का ऑनलाइन निर्धारण और बायोमेट्रिक आधारित खरीदी से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू होने से प्रदेश में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी होगी।

कृषक उन्नति योजना से 35,904 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान : किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए संचालित कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक लगभग 25.52 लाख किसानों को 35,904.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। धान के स्थान पर अन्य लाभकारी फसल लेने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सहायता राशि 11 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को अब तक 12,267.39 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है।

आधुनिक खेती, सिंचाई और फसल विविधीकरण पर जोर : कृषि को आधुनिक और लाभकारी बनाने के लिए वर्ष 2024-25 से अब तक 8,567 कृषि यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं तथा 678 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 46,615 हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई का विस्तार हुआ है और किसानों को 201.07 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। एग्रीस्टैक के माध्यम से 19,751 गांवों की जियो-रेफरेंसिंग पूरी की जा चुकी है और 43 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन किया गया है। दलहन एवं तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत 29 जिलों के 273 केंद्रों से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर और सरसों की खरीदी कर किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के अंतर्गत 94,615 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तार और 10 तेल निष्कर्षण इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है।

किसानों की सुरक्षा और कृषि की मजबूत आधारशिला : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ एवं रबी 2025-26 में 16.70 लाख से अधिक किसानों ने बीमा कराया तथा 1 लाख 40 हजार 730 किसानों को 292.43 करोड़ रुपये का दावा भुगतान किया गया। उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खरीफ 2026 में 15.55 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के विरुद्ध 18.02 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक का भंडारण किया गया। कालाबाजारी और जमाखोरी के विरुद्ध भी निरीक्षण एवं कार्रवाई की गई है। लगभग 40 लाख कृषक परिवारों और 82 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसानों वाले छत्तीसगढ़ में कृषि का विकास सीधे ग्रामीण समृद्धि से जुड़ा है। राज्योत्सव के अवसर पर किसानों के हित में किए गए ये प्रयास प्रदेश की विकास यात्रा में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में धान खरीदी, आर्थिक सहायता, आधुनिक तकनीक, सिंचाई और फसल विविधीकरण के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें किया नमन



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय एकता और अखंडता के महान शिल्पकार थे। उन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व से स्वतंत्रता के बाद देश की सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर एक सशक्त और अखंड भारत की नींव रखी। राष्ट्र निर्माण में उनका यह असाधारण योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और देश की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, सामूहिक प्रयास और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण से बड़ी से बड़ी चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। आज देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। सरदार पटेल के विचार और आदर्श इस राष्ट्रीय संकल्प को और अधिक सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल सरदार पटेल के महान योगदान को स्मरण करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का भी दिन है। भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और समुदायों को एकता के सूत्र में पिरोकर आगे बढ़ना ही सरदार पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर एक सशक्त, समरस और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए, ताकि विकसित भारत के निर्माण में हमारा प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा सके।

राज्यपाल ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें किया नमन



राज्यपाल रमेन डेका ने लौह पुरुष, राष्ट्रीय एकीकरण के शिल्पकार, भारत रत्न, सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर आज लोकभवन में उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल श्री डेका ने अखंड भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे एवं लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सरदार पटेल के आदर्शों पर चलकर सुरक्षित, समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारा संकल्प - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस परेड समारोह में शामिल हुए गृह मंत्री विजय शर्मा



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की चौथी वाहिनी, माना में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने परेड की सलामी ली, मार्च पास्ट का अवलोकन किया तथा उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से 560 से अधिक देशी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर अखंड भारत की आधारशिला रखी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्रीय एकता केवल भौगोलिक सीमाओं का एकीकरण नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति विश्वास, समर्पण और साझा जिम्मेदारी की भावना का निर्माण भी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के आदर्श आज भी देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस का यह अवसर छत्तीसगढ़ के लिए विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में



छत्तीसगढ़ ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। एक समय देश के 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे। आज केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग से नक्सलवाद के प्रभाव को समाप्त करने की दिशा में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि कभी नक्सली हिंसा और भय से प्रभावित रहे बस्तर के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुरक्षा और विकास की नई उम्मीद जगी है। हमारे वीर जवानों ने कठिन परिस्थितियों में अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए बस्तर में शांति स्थापना की मजबूत आधारशिला रखी है। यह सफलता केवल सुरक्षा बलों की उपलब्धि नहीं, बल्कि बस्तर की जनता के विश्वास, सहयोग और शांति की आकांक्षा का भी परिणाम है।

गृह मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल नक्सलवाद का अंत करना नहीं, बल्कि बस्तर के प्रत्येक गांव तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के अवसर पहुंचाना है। बस्तर के जनजातीय समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बस्तर के नागरिक केवल विकास योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के शांतिपूर्ण, समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य के प्रमुख भागीदार हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस अखंड, सशक्त और एकजुट भारत का स्वप्न देखा था, उसे साकार करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने आह्वान किया कि राष्ट्रीय एकता दिवस पर हम सभी शांति, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को देश के विकसित राज्यों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करने का संकल्प लें।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सली हिंसा में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने शहीद जवानों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। प्रदर्शनी में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान पुलिस बल की कार्यप्रणाली, जवानों के शौर्य, साहस और बलिदान के साथ पुलिस विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में स्थापित हो रही शांति के पीछे हमारे वीर जवानों का अदम्य साहस, त्याग और बलिदान है। देश और प्रदेश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

समारोह के दौरान गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के सीधे प्रसारण का भी सामूहिक अवलोकन किया गया। इस राष्ट्रीय परेड में वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के जवानों ने अपने अनुशासन, साहस और समर्पण का प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक परेड में छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों ने भी भाग लेकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। परेड में छत्तीसगढ़ पुलिस के डीएसपी बृज किशोर यादव ने दू-आईसी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। डीएसपी सुश्री अमृता पैंकरा के नेतृत्व में बस्तर फाइटर्स की महिला कमांडो, डीएसपी कुलदीप बंजारे के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा डीएसपी ओमप्रकाश सिंह के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के जवानों ने मार्च पास्ट में भाग लिया। नक्सल विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इन बलों की राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव का अवसर रही।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष और शांति स्थापना की यात्रा पर आधारित विशेष नाट्य प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। नाट्य मंचन में नक्सलवाद के उदय, उसके कारण उत्पन्न परिस्थितियों, सुरक्षा बलों के साहसिक अभियानों, वीर जवानों के बलिदान तथा जनता की भावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ के बस्तर के युवा भी कलाकार के रूप में शामिल हुए। प्रस्तुति के माध्यम से वामपंथी उग्रवाद के भय और हिंसा से निकलकर शांति, विश्वास और विकास की ओर बढ़ने की यात्रा को जीवंत किया गया। उपस्थित जनसमूह ने इस भावपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की। माना पुलिस ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों और आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर विधायक सुनील सोनी एवं मोतीलाल साहू, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रदीप गुप्ता एवं अमित कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अंकित गर्ग सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, शहीद जवानों के परिजन, स्कूली बच्चे तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

संदेश स्थानीय कारीगरों की मेहनत से रोशन हो हर घर

स्वदेशी दीयों से मनाएं दीपावली -राजस्व मंत्री टंक राम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

दीपावली का पर्व घरों को रोशन करने के साथ दूसरों के जीवन में खुशियां लाने का भी अवसर है। इसी भावना को साकार करते हुए प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने राजधानी रायपुर के पंडरी बाजार में स्थानीय विक्रेताओं से मिट्टी के दीये खरीदकर वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि दीपावली पर स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों और छोटे व्यापारियों के उत्पादों को प्राथमिकता देकर उनकी आजीविका को मजबूत बनाने में सहभागी बनें।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो केवल वस्तु नहीं, बल्कि उसके पीछे जुड़ी मेहनत, हुनर और परिवार की उम्मीदों को भी सम्मान देते हैं। हमारी छोटी-सी खरीदारी किसी जरूरतमंद परिवार के लिए त्योहार की बड़ी खुशी बन सकती है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मिट्टी



के दीये भारतीय संस्कृति, परंपरा और प्रकृति से जुड़ाव के प्रतीक हैं। दीपावली पर इनका उपयोग हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने के साथ पारंपरिक कुम्हार व्यवसाय को प्रोत्साहित करता है। स्थानीय शिल्पकारों के हाथों से तैयार वस्तुओं में छत्तीसगढ़ की लोककला और मिट्टी की खुशबू समाहित है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और ग्रामीण आजीविका को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्थानीय वस्तुओं की मांग बढ़ने से छोटे व्यवसायियों को आर्थिक संबल मिलेगा और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण को गति मिलेगी। कुम्हार और छोटे दुकानदार त्योहारों के दौरान अच्छी बिक्री की उम्मीद रखते हैं। ऐसे में समाज के प्रत्येक वर्ग को उनकी मेहनत का सम्मान करते हुए स्थानीय बाजारों से खरीदारी करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और परिवारों से मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री, सजावटी वस्तुएं तथा हस्तशिल्प उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इस पर्व पर हम सभी संकल्प लें कि अपने घर के साथ मेहनतकश परिवारों के जीवन में भी खुशियों का उजाला फैलाएंगे। उन्होंने कहा कि इस दीपावली जलने वाला हर मिट्टी का दीया केवल हमारे घर को रोशन न करे, बल्कि उसे बनाने वाले कुम्हार के घर में भी समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। यही वोकल फॉर लोकल की सच्ची भावना और दीपावली का सार्थक संदेश है।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में विकास को नई गति, बड़े बोदल सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



नक्सलवाद से मुक्त बस्तर अंचल में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ गति दी जा रही है। शासन का लक्ष्य दूरस्थ एवं सड़क संपर्क से वंचित बसाहटों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

इसी दिशा में जगदलपुर विकासखंड में PMGSY-IV के अंतर्गत कुल 9 सड़कों की स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिनकी कुल लंबाई 33.39 किलोमीटर है। इनमें ग्राम पंचायत बड़े बोदल का एल-139 (सुरनदवाड़ा रोड से बड़े बोदल) मार्ग भी शामिल है। उक्त सड़क की लंबाई 1.80 किलोमीटर तथा स्वीकृत लागत लगभग 192.06 लाख रुपये है। मौसम अनुकूल होते ही आज से मौके पर मशीनरी लगाकर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

इस सड़क के निर्माण से बड़े बोदल सहित आसपास की दूरस्थ बसाहटों को बारहमासी आवागमन की सुविधा मिलेगी। स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों एवं ग्रामीणों को इसका विशेष लाभ होगा। नक्सलवाद के प्रभाव से मुक्त बस्तर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार कर अंतिम छोर पर बसे गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना शासन की प्राथमिकता है। बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास के नए दौर की ओर अग्रसर है।

संपादकीय

नक्सलवाद खत्म फिर सुरक्षा क्यों जरूरी है

सुरक्षा की जरूरत तो तब जायज मानी जाती है जब उच्च पदों पर बैठे हुए लोगों की जान जाने का खतरा होता है,उन पर कभी भी हमला होने का खतरा होता है ।जब तक छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद था,तब तक तो नेताओं की सुरक्षा जरूरी थी, यह बात लोगों को समझ आती है कि लेकिन नक्सलियों के सफाए के बाद बस्तर सहित अन्य क्षेत्र के नेताओं की अब खास जरूरत नहीं है क्योंकि जिनसे बस्तर के नेताओं सहित अन्य लोगों का जान का खतरा था, उनका तो सफाया कर दिया गया है यानी हमला करने वाले,जान लेने वाले अब नहीं बचे हैं तो नेताओं को किससे खतरा है ।यह तय समय मार्च-26 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया गया है इसके बाद छह माह हो गए है यह जानने के लिए कि बस्तर के नेताओं सहित अन्य नेताओं की सुरक्षा की जरूरत है क्या । है तो कितनी है ।

नेताओं की सुरक्षा यूं ही नहीं हो जाती है, उसमें करोड़ों रुपए खर्च होते हैं । जब तक जरूरी था करोड़ो रुपए खर्च किए जाते थे अब होना यह चाहिए कि सुरक्षा को खत्म किया जाना चाहिए और जो करोड़ो रुपए सुरक्षा के नाम पर खर्च हो रहे हैं,उनका राज्य के विकास में सदुपयोग करना चाहिए ।साय सरकार ने छह माह देखने के बाद अब नेताओं की सुरक्षा के नाम पर जो खर्च हो रहा था, उसमें कटौती शुरू कर दी है ।साय सरकार चाहती तो सुरक्षा छह माह बाद समाप्त भी कर सकती थी लेकिन उसमें छह माह बाद थोड़ी से कटौती की है । अब छह माह और देखा जाएगा उसके बाद और कटौती की जाएगी,इससे ऐसा लगता है कि साय सरकार नेताओं की सुरक्षा में एकदम से कटौती नहीं करना चाहती है ।वह धीरे धीरे कटौती करना चाहती ताकि पक्ष और विपक्ष के सुरक्षा प्राप्त नेता नाराज न हों ।

आंकड़ों के मुताबिक नक्सलवाद खत्म होने के बाद भी 400 नेताओं की वीआईपी सुरक्षा में 1550 पुलिस कर्मी तैनात हैं ।छह माह की समीक्षा के बाद सीएम साय ने नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर 40 नेताओं की वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था हटाने का आदेश दिया है । 50 से अधिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था कैटेगरी को कम किया गया है ।अभी तक 11 नेताओं के पास जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था थी,अब केवल सीएम व राज्यपाल के लिए ही जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था रहेगी । बस्तर के केदार कश्यप,महेश गागड़ा,दीपक बैज,महेंद्र कर्मा के परिवारजनों की सुरक्षा को जेड कर दिया गया है । इससे पुलिस को 200 जवान वापस मिल जाएंगे ।सीएम के आदेश पर जिन 40 नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था हटाई गई है,उसमे बस्तर के सरपंच,मंडल अध्यक्ष,नक्सलियों के हाथों मारे गए लोगों के परिजन शामिल हैं । इसके अलावा जिनकी सुरक्षा कम की गई है, उसमें अधिकतर जेड व वाई प्लस वाले हैं । पूर्व सीएम भूपेश बघेल,सांसद महेश कश्यप जैसे लोगों की सुरक्षा व्यवस्था यथावत है ।

कुछ नेताओं की सुरक्षा कम की गई है तो इसका मतलब यह नहीं है कि नेताओं को सुरक्षा के लिए भविष्य में कुछ नहीं किया जाएगा जैसे पहले कोई सुरक्षा जरूरी बताता था तो उसे जिस तरह स्थानीय स्तर पर सुरक्षा दी जाती थी,अब भी वैसी सुरक्षा पर मांगने पर दी जाएगी ।नक्सलवाद के रहते बस्तर के तो तमाम नेताओं की जान की सुरक्षा को खतरा था,इसलिए बस्तर के नेताओं की सुरक्षा की ओर सबसे ज्यादा ध्यान दिया भी गया था,नेताओं की सुरक्षा के कारण बहुत से नेताओं की जान बची है,यह सरकार की जिम्मेदारी थी और उसने अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह बखूबी किया है ।पक्ष विपक्ष में भेद न कर जिनकी सुरक्षा जरूरी थी,सबको जरूरत के मुताबिक सुरक्षा दी गई ।अब नेताओं को खुद ही सुरक्षा व्यवस्था के घेरे से बाहर आना चाहिए और होने वाले करोड़ो खर्च को बचाने का काम करना चाहिए ।

माना जाता है कि नेताओं को जब आदत हो जाती सुरक्षा व्यवस्था मे रहने की उनको सुरक्षा की जरूरत न रहने पर भी अपने दबदबे के लिए सुरक्षा व्यवस्था जरूरी लगती है । दो दशक से यहां के नेताओं को सुरक्षा की आदत लगी हुई है, वह इसे अपनी इच्छा से तो कम करने से रहे,यह बात सरकार भी जानती है,इसलिए वह सुरक्षा व्यवस्था धीरे धीरे कम कर रही है । नेताओं का पद बड़ा हो न हो उसकी सुरक्षा मे ज्यादा आदमी होते हैं तो उसको लगता है कि मैं बड़ा आदमी हूं । इसलिए बीच में नेताओं ने जरूरत हो न हो सुरक्षा के लिए ज्यादा लोगों की जरूरत बताई है ताकि उनका रुतबा बढ़े और उनको खास समझा जाए ।अब आम लोगों के बीच बड़े नेताओं को किसी तरह की सुरक्षा की जरूरत नहीं है तो उनको खुद ही सुरक्षा के घेरे से बाहर आकर उदाहरण पेश करना चाहिए दूसरे नेताओं के लिए ।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है । डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा दिया है । खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है । विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है । ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है । यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है । हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है ।



किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है । इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है । ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है । इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है । इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है । इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है ।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है । यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी । लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा ? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा ? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा ।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है । देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं । सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है । इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है । भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है । ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है । हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी । अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है । यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है । इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा । इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है ।

सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है । नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है । जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा । सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े ।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है । ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए । यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है । लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है । इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी ।

इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है । अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है । इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए । जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है ।

निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है । लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए । सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए । कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे । आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए । सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे ।

दुनिया भर के युवाओं में क्यों बढ़ रहा असंतोष ?

महेन्द्र तिवारी



दुनिया की अर्थव्यवस्था में विकास, तकनीकी प्रगति और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के दावों के बीच एक ऐसा वर्ग है, जिसके सामने भविष्य को लेकर अनिश्चितता लगातार बढ़ रही है । यह वर्ग है युवा पीढ़ी का । रोजगार की कमी, महँगी शिक्षा, बढ़ता किराया, महँगाई और आर्थिक असुरक्षा ने युवाओं की चिंताओं को अब अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बना दिया है । यूरोप के कई देशों में हाल के दिनों में हुए प्रदर्शन इस असंतोष की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं ।

31 अक्टूबर 2026 को जर्मनी के 34 शहरों में युवाओं के नेतृत्व में प्रदर्शन हुए । प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, जीवनयापन की बढ़ती लागत पर नियंत्रण तथा अनिवार्य सैन्य सेवा का विरोध किया । कुछ स्थानों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, जबकि फ्रैंकफर्ट में तोड़फोड़ और दुकानों में लूटपाट की घटनाएँ भी हुईं । जर्मनी जैसे विकसित देश में युवाओं का सड़कों पर उतरना बताता है कि आर्थिक समृद्धि के बावजूद नई पीढ़ी के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं ।

फ्रांस में भी सितंबर से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर के अंत तक व्यापक विरोध का रूप ले चुका है । शिक्षा व्यवस्था में असमानता, विद्यालयों में संसाधनों की कमी, महँगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतें और सार्वजनिक सुविधाओं में कटौती प्रदर्शन के प्रमुख मुद्दे हैं । छात्रों के साथ श्रमिक संगठनों और दूसरे सामाजिक समूहों की भागीदारी ने इस आंदोलन का दायरा बढ़ा दिया है । पुर्तगाल सहित यूरोप के अन्य देशों में भी आवास और किराये की समस्या को लेकर असंतोष सामने आया है ।



अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की अगस्त 2026 में प्रकाशित रिपोर्ट इन परिस्थितियों की गंभीरता को आँकड़ों के माध्यम से स्पष्ट करती है । रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में विश्व स्तर पर युवाओं की बेरोजगारी दर बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई । इसके कारण लगभग 6.7 करोड़ युवा बेरोजगार रहे । इससे भी चिंताजनक तथ्य यह है कि लगभग 25.7 करोड़ युवा न रोजगार में थे, न शिक्षा प्राप्त कर रहे थे और न ही किसी प्रशिक्षण से जुड़े थे । यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है । उत्तरी अमेरिका और यूरोप जैसे समृद्ध क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए रोजगार के अवसर चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं ।

युवाओं की परेशानी केवल नौकरी नहीं मिलने तक सीमित नहीं है । नौकरी मिलने के बाद भी कम वेतन, अस्थायी नियुक्ति और महँगी जीवनशैली के कारण आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है । अनेक युवा अपनी आय का बड़ा हिस्सा किराये, भोजन, परिवहन और शिक्षा पर खर्च कर देते हैं । परिणामस्वरूप घर खरीदने, परिवार बसाने और भविष्य के लिए बचत करने जैसे सपने पीछे छूटते जा रहे हैं ।

तकनीकी बदलाव ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है । कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालित प्रणालियों के विस्तार से रोजगार के पारंपरिक स्वरूप बदल रहे हैं । कुछ नए अवसर पैदा हो रहे हैं, लेकिन अनेक सामान्य और मध्यम कौशल वाले कामों की आवश्यकता घटने की आशंका भी है । ऐसे में युवाओं के लिए समय के साथ नए कौशल सीखना और स्वयं को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करना आवश्यक हो गया है ।

भारत के संदर्भ में भी यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है । देश की बड़ी युवा आबादी बेहतर शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य की अपेक्षा रखती है । केवल शैक्षणिक प्रमाणपत्र उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है । शिक्षा को रोजगार की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ना, कौशल विकास को प्रोत्साहित करना और ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में समान अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है । साथ ही महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल और रोजगार के बेहतर अवसर सुनिश्चित करने होंगे ।

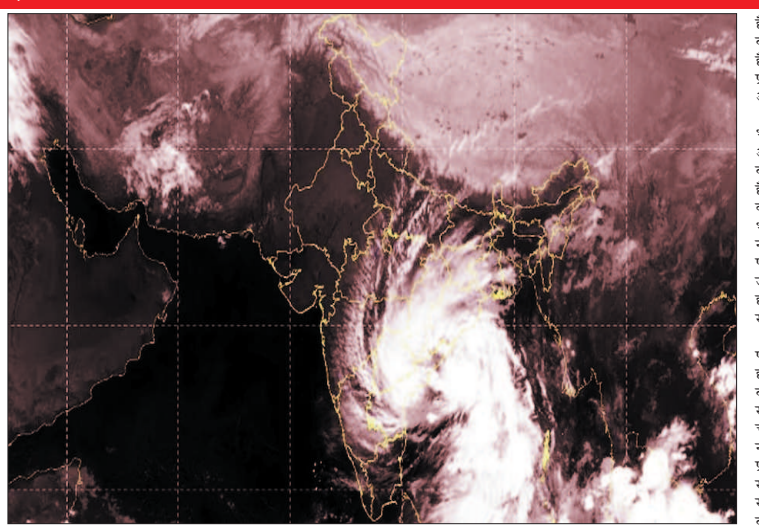
सरकारों को समझना होगा कि युवा केवल आर्थिक विकास के आँकड़ों का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति के वास्तविक आधार हैं । उनकी अपेक्षाओं की अनदेखी असंतोष को जन्म देती है, जो आगे चलकर सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का रूप ले सकता है ।

दुनिया भर में उठती युवा आवाजें एक साझा संदेश दे रही हैं । नई पीढ़ी को केवल बेहतर भविष्य के आश्वासन नहीं चाहिए, बल्कि वर्तमान में सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर भी चाहिए । विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति और विशेषकर युवाओं तक पहुँचे । रोजगार, शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता दिए बिना किसी भी देश की प्रगति का सपना अधूरा ही रहेगा ।

चक्रवातों के साये में तटीय भारत का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

समुद्र जितना जीवनदायी है, उसका रौद्र रूप उतना ही विनाशकारी हो सकता है । भारत की करीब 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार, मत्स्य पालन और पर्यटन के लिए बेहद अहम है । लेकिन यही तटीय क्षेत्र हर साल चक्रवातों, समुद्री तूफानों, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा भी झेलते हैं । चक्रवात अर्नब ने एक बार फिर तटीय भारत की संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं । सवाल केवल यह नहीं है कि चक्रवात कब और कहां आएगा, बल्कि यह भी है कि उससे निपटने के लिए हमारी तैयारी कितनी मजबूत है । बदलते मौसम के दौर में अब आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने के बजाय पहले से नुकसान कम करने की रणनीति बनानी होगी ।



चक्रवातों से निपटने में सबसे बड़ी चुनौती उनके बदलते स्वरूप और तीव्रता का अनुमान लगाना है । आधुनिक तकनीक और मौसम पूर्वानुमान में सुधार के बावजूद कई बार चक्रवात कम समय में अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं । ऐसे में प्रशासन के पास लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत सामग्री जुटाने के लिए बहुत कम समय बचता है । तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरें और नदियों में बाढ़ एक साथ तबाही मचा सकती हैं । जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है ।

तटीय क्षेत्रों में कमजोर बुनियादी ढांचा भी बड़ी समस्या है । चक्रवात के दौरान बिजली के खंभे गिर जाते हैं, सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और संचार सेवाएं ठप पड़ जाती हैं । इससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित होते हैं । कई तटीय शहरों में अनियोजित निर्माण, जल निकासी की खराब व्यवस्था और निचले इलाकों में बस्तियों का विस्तार खतरे को बढ़ा रहा है । ऐसे में आपदा के समय लोगों को बचाने के साथ-साथ बिजली, पानी, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द बहाल करना भी बड़ी चुनौती बन जाता है ।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की पूर्व चेतावनी प्रणाली पहले से बेहतर हुई है, लेकिन चुनौती अब भी यह है कि चेतावनी समय पर हर व्यक्ति तक पहुंचे । समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरों, दूरदराज के गांवों और छोटे द्वीपों में रहने वाले लोगों तक सूचना पहुंचाना आसान नहीं है । कई बार लोग चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेते या घर और आजीविका छोड़ने के डर से सुरक्षित स्थानों पर जाने में देरी करते हैं । इसलिए केवल चेतावनी जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को उसके खतरे और उससे बचने के उपायों के बारे में समझाना भी जरूरी है ।

चक्रवात का असर सभी पर समान नहीं पड़ता । गरीब परिवार, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं । जिन परिवारों की आजीविका खेती, मछली पकड़ने या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है, उनके लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना भी आसान नहीं होता । उन्हें अपनी संपत्ति, पशुओं और रोजगार की चिंता सताती है । चक्रवात के बाद मछली पकड़ने का काम बंद हो जाता है, खेतों में खारा पानी भर जाता है और छोटे कारोबार ठप पड़ जाते हैं । इससे प्रभावित परिवारों के सामने लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रहता है ।

प्राकृतिक सुरक्षा कवच का कमजोर होना भी चिंता का विषय है । मैंग्रोव वनों की कटाई, आर्द्रभूमियों का विनाश और समुद्र तटों पर बढ़ता निर्माण चक्रवातों के खतरे को बढ़ाते हैं । मैंग्रोव वन समुद्री लहरों की ताकत कम करने और तटीय इलाकों को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं । इसके बावजूद विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है । तटीय क्षेत्रों में विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास भविष्य के लिए बड़ा संकट बन सकता है ।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना होगा । मौसम विभाग की तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ उपग्रहों, डॉप्लर रडार और समुद्री निगरानी तंत्र का विस्तार जरूरी है । चेतावनी केवल मोबाइल संदेशों तक सीमित न रहे । सायरन, सामुदायिक रेडियो, स्थानीय प्रशासन और पंचायतों के माध्यम से भी सूचना लोगों तक पहुंचाई जाए । चेतावनी स्थानीय भाषा में हो और उसमें यह साफ बताया जाए कि लोगों को क्या करना है और कहां जाना है ।

इसके साथ ही तटीय इलाकों में मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा । चक्रवात आश्रयस्थलों की संख्या बढ़ाने, सुरक्षित निकासी मार्ग बनाने और अस्पतालों, बिजलीघरों तथा पेयजल व्यवस्था को आपदा के लिहाज से मजबूत करने की जरूरत है । आश्रयस्थलों में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए । नियमित मॉक ड्रिल से लोगों को आपदा के समय सही कदम उठाने का अभ्यास कराया जा सकता है ।

आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी जरूरी है । पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, मछुआरा समितियों और युवाओं को आपदा प्रबंधन योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए । स्कूलों में आपदा संबंधी जागरूकता और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाए । स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र के जोखिम की बेहतर जानकारी होती है । इसलिए उनकी भागीदारी से राहत और बचाव कार्य अधिक प्रभावी बनाए जा सकते हैं ।

प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर भी नुकसान कम किया जा सकता है । मैंग्रोव वनों, आर्द्रभूमियों और तटीय वनस्पतियों का संरक्षण किया जाए । संवेदनशील क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण पर रोक लगे और तटीय विनियमन के नियमों का सख्ती से पालन हो । इसके अलावा मछुआरों, किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए बीमा, आर्थिक सहायता और आजीविका पुनर्वास की व्यवस्था जरूरी है, ताकि आपदा के बाद वे दोबारा अपने पैरों पर खड़े हो सकें ।

चक्रवात अर्नब ने यह समझने का अवसर दिया है कि प्राकृतिक आपदाओं से पूरी तरह बचना संभव नहीं, लेकिन बेहतर तैयारी से उनके नुकसान को जरूर कम किया जा सकता है । भारत ने मौसम पूर्वानुमान और लोगों की निकासी के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन तटीय क्षेत्रों में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है । अब जरूरत राहत और बचाव तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जो आपदा से पहले ही नुकसान को कम कर सके । आखिरकार, सुरक्षित तट केवल मजबूत इमारतों से नहीं बनते, बल्कि जागरूक नागरिकों, जवाबदेह प्रशासन और संरक्षित पर्यावरण से बनते हैं ।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम है, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराजगी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिनसे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।



पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करें ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लद्धद्धद्बद्गह्यह्ला) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्बद्वद्धद्यद्बद्धद्बद्गह्लद्धश्च्ह्ल) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

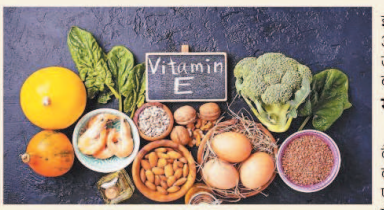
बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाएं

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाएं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दड्ड्ढद्वद्द श्वद्बद्धद्व' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू,जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।



हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा



बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं। पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'विरासत' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक: द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया।

पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजिलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे।

पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साइंस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था।

पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ीं और लॉस एंजिलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा केलन मेरेडिज नजर आए।



आयशा खान ने फिल्म 'उड़ता तीर' की जमकर सराहना की

आयुष्मान खुराना स्टारर क्रॉस-बॉर्डर स्पाई-कॉमेडी (जासूसी हास्य) फिल्म 'उड़ता तीर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री आयशा खान ने फिल्म की जमकर सराहना की। साथ ही, सभी से फिल्म देखने की अपील भी की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के एक हास्य सीन की क्लिप शेयर की, जिसमें अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेता संदीप आनंद नजर आ रहे हैं। आयशा खान ने इस क्लिप की तारीफ करते हुए लिखा, 'मैं संदीप आनंद की बहुत बड़ी फैन हूं और कल उन्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने क्या परफॉर्मेंस दी है। मजे ही आ गए तारिक (संदीप आनंद का किरदार) और आप जानते हैं कि अगर आयुष्मान इसमें हैं तो फिल्म धमाकेदार ही होगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म ने उन्हें बिल्कुल भी बोर नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'इस फिल्म में एक भी किरदार कमजोर नहीं है, शानदार टाइमिंग, इतने अच्छे लिखे हुए सीन्स, कल थिएटर में हंस-हंस के मेरी जान निकल गई, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, प्लीज अपनी फैमिली के साथ थिएटर में जाकर इस फिल्म को जरूर देखें, पैसा वसूल है। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी सबसे बेस्ट पार्ट में से एक है और स्टोरीलाइन आपको आखिर तक बांधे रखती है, क्लाइमैक्स तो कमाल का है, बस अभी जाओ और देखें।'

फिल्म 'उड़ता तीर' को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दर्शकों के अनुसार, फिल्म का पहला हाफ काफी मनोरंजक, तेज और मजेदार है, जिसमें सिचुएशनल कॉमेडी और वन-लाइनर्स अच्छे लगते हैं। वहीं, दूसरा हाफ थोड़ा सुस्त और प्रिडिक्टेबल (अनुमान लगाने योग्य) हो जाता है, जहां फिल्म स्पाई कॉमेडी से हटकर देशभक्ति और गंभीर जॉनर की तरफ मुड़ने की कोशिश में थोड़ी उलझ जाती है।

आयुष्मान खुराना की कॉमिक टाइमिंग और कंपयूज्ड एक्सप्रेशंस की काफी तारीफ हो रही है। साथ ही सारा अली खान और सपोर्टिंग कास्ट के काम को भी पसंद किया जा रहा है।



निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नए प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, ''मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूं। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूं, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूं और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूं। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूं कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।'' सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।



पांच साल बाद फिर साथ दिखेगी रजनीकांत और नयनतारा जोड़ी

'जेलर 2' के बाद अब सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धर्मन' की रिलीज का फैंस बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अब इस मूवी से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। दरअसल, 'थलाइवा' की 'धर्मन' में एक्ट्रेस नयनतारा की भी एंट्री हो गई है। बता दें कि इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और नयनतारा पांच साल बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार साल 2021 में आई फिल्म 'अन्नात्थे' में साथ काम किया था।

प्रोडक्शन हाउस ने किया नयनतारा का स्वागत

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की जानकारी दी। एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'अब दमदार अंदाज दोगुना होने वाला है। फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का स्वागत है।'

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं नयनतारा और रजनीकांत

नयनतारा और रजनीकांत इससे पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इनमें 'चंद्रमुखी' (2005), 'कुसेलन' (2008), 'दरबार' (2020) और 'अन्नात्थे' (2021) शामिल हैं। हालांकि, फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का किरदार क्या होगा और इसकी कहानी किस बारे में है, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कब रिलीज होगी 'धर्मन'

फिल्म 'धर्मन' का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं, जबकि इसे एवटर और फिल्ममेकर कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी और टीम अब तक कई शेड्यूल पूरे कर चुकी है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, फिल्म को पोंगल 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।





क्या असल जिंदगी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पर आधारित है 'प्रताप'

अमित साध की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'प्रताप' के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में अमित साध एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शक कमेंट सेक्शन में यह कयास लगा रहे हैं कि क्या फिल्म की कहानी असल जिंदगी के पुलिस अधिकारियों से प्रेरित है। कई दर्शक अमित के ऑन-स्क्रीन किरदार की तुलना मुंबई पुलिस के अधिकारियों दया नायक और सचिन वाजे से कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि क्या कहानी का उनकी जिंदगी से कोई संबंध है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यूवी फिल्म्स के बैनर तले प्रदीप रंगवानी ने किया है। फिल्म में ईशा देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुनाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'प्रताप' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के आधिकारिक यूट्यूब ट्रेलर के कमेंट सेक्शन में दर्शकों की यह उत्सुकता साफ नजर आ रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि क्या अमित साध का किरदार किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है। एक यूजर ने पूछा, 'कहीं ये दया नायक की स्टोरी तो नहीं है?' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये सचिन वाजे की लाइफ से इंस्पायर्ड है क्या?'

एक दर्शक ने सवाल किया, 'क्या यह सचिन वाजे की कहानी पर आधारित है?' कुछ अन्य दर्शकों ने भी फिल्म की कहानी के सचिन वाजे या दया नायक की जिंदगी से जुड़े होने की संभावना पर सवाल उठाए।

कई दर्शकों द्वारा इसी तरह के सवाल पूछे जाने से साफ है कि ट्रेलर ने अमित साध के किरदार और उसकी पृष्ठभूमि को लेकर लोगों की जिज्ञासा बढ़ा दी है। जहां फैंस सोशल मीडिया पर फिल्म की संभावित वास्तविक प्रेरणा को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि 'प्रताप' की कहानी किसी खास पुलिस अधिकारी से प्रेरित है या फिर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की दुनिया पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। फिलहाल, फिल्म के किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी पर आधारित होने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बैचलर पार्टी डी'यू में पॉली का किरदार निभाएंगी ज्योतिर्मयी

मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म 'बैचलर पार्टी डी'यू' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, 'ज्योतिर्मयी इज पॉली।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यू' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमलु' से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सस्पेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, 'हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर।' इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।



कवर्धा जिले में तेंदुए की तलाश तेज, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

ड्रोन से निगरानी, विशेषज्ञों की देखरेख में लगाए पिंजरे, एआई से बने फर्जी फोटो-वीडियो फैलाने पर चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले के कवर्धा नगर और आसपास के वन क्षेत्रों में तेंदुए की मौजूदगी से जुड़ी सूचनाओं के बाद वन विभाग ने निगरानी और रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। पिछले करीब दो सप्ताह से वन विभाग की टीमें शहर के अलग-अलग इलाकों में लगातार गश्त कर रही हैं। तेंदुए की तलाश के लिए दिन में सामान्य ड्रोन और रात में थर्मल ड्रोन की मदद ली जा रही है। वहीं, वन्यजीव विशेषज्ञों की देखरेख में पिंजरे लगाकर तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने की तैयारी भी की गई है।

वन विभाग के अनुसार, तेंदुआ दिखाई देने की सूचनाएं समाचार पत्रों, व्हाट्सएप ग्रुपों और सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। इसके बाद कवर्धा और भोरमदेव अभयारण्य के परिक्षेत्र अधिकारियों ने गश्ती दल गठित किए।



ये दल पिछले दो सप्ताह से प्रतिदिन सुबह 4 से 8 बजे तक और शाम 6 बजे से रात 2 बजे तक निगरानी कर रहे हैं। गश्त के दायरे में शिक्षक कॉलोनी, राजमहल, समनापुर रोड, खूंटू रोड, साधना नगर, लकड़ी टाल, मठ पारा, नवीन बाजार और 17वीं बटालियन परिसर शामिल हैं।

तेंदुए की तलाश के लिए सुबह सामान्य ड्रोन और रात में थर्मल ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा कानन पेंडारी, बिलासपुर और जंगल सफारी, रायपुर से वन्यजीव विशेषज्ञों को बुलाया गया है।

विशेषज्ञों की देखरेख में लकड़ी टाल, मठ पारा, नवीन बाजार और 17वीं बटालियन परिसर में पिंजरे लगाए गए हैं। तेंदुए को सुरक्षित रूप से पकड़ने के उद्देश्य से पिंजरों में बकरी रखी गई है। वन विभाग ने कहा है कि कुछ लोग सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में तेंदुआ दिखाई देने के अपुष्ट संदेशों के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से तैयार भ्रामक फोटो और वीडियो भी प्रसारित कर रहे हैं। इससे आम लोगों में भय का माहौल बन रहा है और वन विभाग की टीमों के काम में भी बाधा उत्पन्न हो रही है।

विभाग ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि किसी भी फोटो, वीडियो या संदेश को साझा अथवा फॉरवर्ड न करें। तेंदुआ दिखाई देने की सूचना सीधे वन विभाग के अधिकृत और जंगल सफारी, रायपुर से वन्यजीव अधिकारियों या कर्मचारियों को दें।

अफवाह फैलाने वालों पर शिकंजा की तैयारी

वन विभाग ने चेतावनी दी है कि जानबूझकर भ्रामक या अफवाहजनक सामग्री बनाने, प्रसारित करने अथवा आगे भेजने वालों के विरुद्ध प्रचलित कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। विभाग ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 353, 336, 221 और 223 के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कानूनों का उल्लेख किया है। ऐसे मामलों की साइबर सेल और पुलिस विभाग के सहयोग से जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी।

वन विभाग ने नागरिकों से सावधानी बरतने और अफवाहों से बचने की अपील की है। विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अपुष्ट फोटो, वीडियो और संदेशों पर विश्वास न करें और उन्हें साझा न करें। रात और सुबह-सुबह अकेले बाहर निकलने से बचें। बच्चों और पालतू पशुओं का विशेष ध्यान रखें। तेंदुआ दिखाई देने पर उसके पास जाने, पीछा करने, फोटो-वीडियो बनाने या भीड़ लगाने की कोशिश न करें। तेंदुए की मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को दें। तेंदुआ दिखाई देने या उससे संबंधित किसी भी सूचना के लिए वन विभाग ने संपर्क नंबर जारी किए हैं— परिक्षेत्र अधिकारी, कवर्धा: 9981426667 परिक्षेत्र अधिकारी, भोरमदेव अभयारण्य: 7000030662 वन विभाग ने कहा है कि आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगरानी और तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

खास खबर

राजनांदगांव में आज निकलेगी भाजपा की विशाल जनजागरण पदयात्रा, विपक्ष के दुष्प्रचार का करेगी पर्दाफाश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत आज रविवार को राजनांदगांव में एक विशाल जनजागरण पदयात्रा निकाली जाएगी। इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य विपक्ष की कथित अराजकता फैलाने की राजनीति, भ्रामक प्रचार और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता में भ्रम पैदा करने के प्रयासों का पर्दाफाश करना है। भाजपा जिला टोली खूबचंद पारख के नेतृत्व में राजेंद्र गोलछा, सौरभ कोठारी, तरुण लहरवानी, एमडी ठाकुर, रमन डोंगरे और रविंद्र वैष्णव जैसे विभिन्न सात आयामों के जरिए इस अभियान को लेकर लगातार सक्रिय बनी हुई है।

पदयात्रा के प्रभारी एवं महापौर मधुसूदन यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 नवंबर, रविवार को आयोजित इस जनजागरण पदयात्रा में जिले के प्रभारी एवं शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा और विधायक श्रीमती भावना बोहरा विशेष रूप से शामिल होंगी। इसके अलावा जिलेभर से भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और आमजन बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले वाहनों का एकत्रीकरण स्टेट स्कूल परिसर में किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11 बजे महावीर चौक से पदयात्रा प्रारंभ होकर मानवमंदिर चौक होते हुए गंज चौक पहुंचेगी, जहां यह यात्रा एक विशाल आम सभा के रूप में परिवर्तित होगी। सभा को प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव, शिवरतन शर्मा, भावना बोहरा और प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय सहित अन्य वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

संपूर्ण अभियान के प्रभारी खूबचंद पारख ने कहा कि इस पदयात्रा का उद्देश्य जनता के बीच विपक्ष के दुष्प्रचार की वास्तविकता को उजागर करना और लोकतंत्र के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार वोट चोरी जैसे निराधार और मनगढ़ंत आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। भाजपा इस पदयात्रा के माध्यम से इन सभी आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देगी और विपक्ष की साजिशों को जनता के सामने बेनकाब करेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां और कार्यप्रणाली हमेशा से देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंता का विषय रही हैं। कांग्रेस देश को जोड़ने के बजाय विभाजनकारी राजनीति और षड्यंत्रों के माध्यम से समाज में भ्रम व अविश्वास का माहौल पैदा करने में जुटी है। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी देश की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय गौरव और लोकतांत्रिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। यात्रा टोली के सदस्य मोनू बहादुर सिंह, किरण साहू, जागृति यदु, संजय सिन्हा, रंजीता पड़ोती, राजेश श्यामकर और देवेंद्र साहू ने जिले के समस्त भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा राष्ट्रहित में विश्वास रखने वाले सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस पदयात्रा में शामिल होकर लोकतंत्र की मजबूती और अराजकता के विरुद्ध जनजागरण के इस अभियान को ऐतिहासिक सफलता दिलाएं।

जिला स्तरीय युवा संसद चौपियनशिप 3 नवंबर को कवर्धा में

कवर्धा। विकसित भारत युवा संसद 2027 के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा संसद चौपियनशिप का आयोजन 3 नवंबर 2026 को शासकीय पीजी महाविद्यालय, कवर्धा में किया जाएगा। मेरा युवा भारत, कवर्धा और शासकीय पीजी महाविद्यालय, कवर्धा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में युवा एक राष्ट्र, एक चुनाव विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

प्रतियोगिता में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकेंगे। आयु की गणना के लिए 17 अगस्त 2026 को निर्धारित कट-ऑफ तिथि माना जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों की विषय पर समझ, विचारों की स्पष्टता, संवाद शैली, रचनात्मकता, भाषा के प्रवाह और निर्धारित समय-सीमा के पालन के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान, तार्किक चिंतन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना है। युवा संसद के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अपने विचार रखने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने का अवसर मिलेगा।

राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की अमर विरासत

राष्ट्रीय एकता दिवस : अखंड भारत के निर्माण में लौह पुरुष के अतुलनीय योगदान का स्मरण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिवस देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के संकल्प का प्रतीक है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद विभिन्न रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल का योगदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनकी दूरदर्शिता, अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व ने आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। राष्ट्रीय एकता दिवस उनकी महान विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही देशवासियों को एकजुटता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है।

वर्ष 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक देशी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण था। तत्कालीन उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी कूटनीतिक कुशलता, राजनीतिक दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसी जटिल परिस्थितियों में उनके नेतृत्व ने राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान की। उनके इसी अद्वितीय योगदान के कारण उन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ। सरदार पटेल ने यह सिद्ध किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सामूहिक प्रयासों से बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान संभव है।

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की गई। इसका प्रमुख उद्देश्य देशवासियों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सरदार पटेल के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर देशभर में एकता दौड़, राष्ट्रीय एकता की शपथ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठियां और विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। गुजरात के एकता नगर में स्थापित 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार पटेल के विराट व्यक्तित्व और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके अतुलनीय योगदान का प्रतीक है।

भारत विभिन्न भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों, परंपराओं और जीवनशैलियों वाला विशाल राष्ट्र है। अनेक विविधताओं के बावजूद देशवासियों के बीच एकता और भाईचारे की भावना भारत की सबसे बड़ी विशेषता है। सरदार पटेल का मानना था कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों की एकजुटता और सामूहिक संकल्प में निहित होती है। उनके विचार आज भी सामाजिक सद्भाव, आपसी विश्वास और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने की प्रेरणा देते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संदेश देता है।

वर्तमान समय में राष्ट्र की प्रगति के लिए सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और एकजुटता अत्यंत आवश्यक है। सरदार पटेल के आदर्श हमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर एक सशक्त एवं समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस विशेष रूप से युवा पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने और उनमें राष्ट्रप्रेम, अनुशासन तथा जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।

सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत केवल इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की एकता और अखंडता में सदैव जीवंत रहेगी। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें स्मरण कराता है कि एकजुट राष्ट्र ही विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। सरदार पटेल के सपनों के सशक्त भारत के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक को आपसी सद्भाव, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यही लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ समापन



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग में आयोजित चार दिवसीय 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह आज भिलाई विद्यालय, सेक्टर-02, भिलाई के खेल प्रांगण में संपन्न हुआ। 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से लगभग 468 छात्र-छात्राओं ने नेटबॉल एवं कराते खेल विधाओं में भाग लिया। प्रतियोगिता में दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, बस्तर एवं सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि के वी राव संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग थे। जेएस धीर, जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग, कल्पना स्वामी क्रीड़ा अधिकारी शिक्षा संभाग दुर्ग, छाया प्रकाश राव सहायक क्रीड़ा अधिकारी रायपुर, अमित घोष सहायक संचालक दुर्ग एवं पांचों जोन के दल प्रबंधकों की उपस्थिति में खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की गई तथा विजेता एवं उपविजेता संभागों को बधाई दी गई।

बालक वर्ग 17 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय रायपुर जोन एवं तृतीय बस्तर जोन शामिल है। इसी तरह बालिका वर्ग 17 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय रायपुर जोन एवं तृतीय बिलासपुर जोन शामिल है।

बालक वर्ग 14 वर्ष के प्रतिभाग प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय रायपुर जोन एवं तृतीय द बिलासपुर जोन शामिल है। बालिका वर्ग 14 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय बस्तर जोन एवं तृतीय बिलासपुर जोन शामिल है। इसी प्रकार बालक वर्ग 17 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय द रायपुर जोन एवं तृतीय द बिलासपुर जोन शामिल है। बालिका वर्ग 17 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय रायपुर जोन एवं तृतीय द बिलासपुर जोन शामिल है। बालक वर्ग 19 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय बिलासपुर जोन एवं तृतीय द रायपुर जोन शामिल है। बालिका वर्ग 19 वर्ष के प्रतिभागी प्रथम रायपुर जोन, द्वितीय बिलासपुर जोन एवं तृतीय द दुर्ग जोन शामिल है।

इस प्रतियोगिता में दुर्ग जोन के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नेटबॉल के बालक एवं बालिका दोनों 17 वर्ष वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कराते में भी दुर्ग जोन ने बालक एवं बालिका 14 वर्ष, बालक 17 वर्ष तथा बालक 19 वर्ष वर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। इस प्रकार दुर्ग जोन ने प्रतियोगिता में कुल छह वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनरल चौंपियनशिप पर कब्जा किया।

सुरक्षित बचपन की ओर एक कदम : स्कूलों में कानूनी साक्षरता अभियान का आगाज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशन तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में सुरक्षित बचपन अभियान का प्रथम चरण के समापन दिवस 31 अक्टूबर 2026 को राजनांदगांव एवं तहसील स्तर पर स्थित विद्यालयों में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के संबंध में जागरूक किए जाने हेतु विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कन्हारपुरी, वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल, स्टेट स्कूल पूर्व माध्यमिक शाला, शासकीय हाईस्कूल सोमनी में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में न्यायाधीशगणों द्वारा विद्यार्थियों को लैंगिक उत्पीड़न से पीड़ित को कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कोई भी विद्यार्थी लैंगिक अपराध में शामिल होता है तो वह कानून की दृष्टि में जघन्य अपराध है। वर्तमान परिस्थिति में विद्यार्थी अत्यधिक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं तथा नवीन एआई तकनीक का उपयोग कर सोशल मीडिया के फोटो को परिवर्तित कर देते हैं तथा परिवर्तित फोटो को सोशल मीडिया में अपलोड भी कर देते हैं। जिससे संबंधित फोटो, समाज में पीड़ित पर दुष्प्रभाव डालता है। पीड़ित ऐसी जानकारी को तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन में देना चाहिए। ऐसा कृत्य करने वाले कोई भी व्यक्ति कानून में दोषी पाए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के उपयोग से बचना चाहिये।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रीति नागवंशी द्वारा शासकीय हाईस्कूल सोमनी में ई-कचरा संग्रहण कॉर्नर का शुभारंभ किया गया। न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को बताया कि लैंगिक अपराध से पीड़ित बालक-बालिका का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निःशुल्क विधिक सलाह उपलब्ध कराता है तथा आवश्यक होने पर निःशुल्क पैनल अधिवक्ता भी पीड़ित को उपलब्ध कराया जाता है। लैंगिक अपराध की जानकारी पीड़ित पक्ष अपने परिवार के नजदीकी सदस्य, जिन पर वह विश्वास करते हैं, उन्हें देना चाहिए तथा लैंगिक अपराध की जानकारी विद्यालय के अध्यापक अथवा अन्य किसी समझदार एवं विश्वासयोग्य व्यक्ति को दी जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त घटना की जानकारी नजदीकी पुलिस स्टेशन में दी जानी चाहिए। अपराध को छुपाने से अपराधी का बल बढ़ जाता है तथा वह अपराध की पुनरावृत्ति की ओर अग्रसर हो जाता है। विद्यालयों में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रीति नागवंशी व अन्य न्यायाधीश पार्थ दुबे, कुमारी माधुरी मरकाम, शुभग राठौर, यशवंत देवांगन, कुमारी समृद्धि जोशी द्वारा व्यापक स्तर पर विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के मध्य पॉक्सो अधिनियम की जानकारी प्रदान करते हुए गुड टच व बैड टच के बीच के अंतर को स्पष्ट कर बच्चों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम

।सुरक्षित बचपन अभियान ए पैन इंडिया स्कूल अवेयरनेस कैंपेन ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फाम सेक्सुअल ऑफेन्स एक्ट 2012 का किया प्रारंभ

सुरक्षित बचपन अभियान अंतर्गत विद्यालयों में आयोजित हुए जागरूकता शिविर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशन तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में सुरक्षित बचपन अभियान ए पैन इंडिया स्कूल अवेयरनेस कैंपेन ऑन द प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फाम सेक्सुअल ऑफेन्स एक्ट 2012 का प्रारंभ किया गया है। प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता के निर्देशन में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत प्रथम चरण अंतर्गत 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विद्यालयों में विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत पीएमश्री नगरपालिक निगम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला राजनांदगांव में शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी राजनांदगांव निलेश जगदल्ला, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रीति नागवंशी, प्रशिक्षु न्यायाधीश, शुभम सिंह राठौर, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी अंग्रेजी माध्यम स्कूल राजनांदगांव, विधि सारथी पुष्कर्राज बख्शी, देवकानंद जैन उच्चतर माध्यमिक शाला राजनांदगांव एवं प्रवीण मल्ल वक्ता के रूप में उपस्थित रहें।



व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी राजनांदगांव निलेश जगदल्ला एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रीति नागवंशी ने अपने वक्तव्य में नालसा द्वारा संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2012 के प्रावधानों को बताया। उन्होंने ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थियों को अपनी व्यक्तिगत सीमाओं एवं सुरक्षित व असुरक्षित व्यवहार की समझ होनी चाहिए। किसी भी अनुचित व्यवहार की स्थिति में बिना डर के अपने अभिभावकों या शिक्षकों को तुरंत सुचित करना चाहिए। आज के युग में ऑनलाईन खतरों एवं साइबर अपराधों से खुद को सुरक्षित रखें। किसी भी गलत आचरण एवं उत्पीड़न के खिलाफ तुरंत आवाज उठाएं, चुप नहीं बैठे। आपातकालीन स्थितियों में तुरंत विधिक सहायता नालसा हेल्प लाइन 15100 एवं चाईल्ड हेल्प लाइन 1098 में सम्पर्क करें। शिविर में बच्चों को यह भी बताया गया कि अगर ऐसा कोई अनुचित व्यवहार आपके साथ किया जाता है तो तत्काल ही अपने माता-पिता को जानकारी दें, ताकि तात्कालिक रूप से उचित कार्यवाही की जा सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के मन से इस डर को निकालना एवं विश्वास दिलाना है कि कोई भी ऐसा सिक्रेट बातें, जो आपको डराती हो उसे छिपाना नहीं है। माता-पिता एवं शिक्षक हमेशा उनके साथ है।

सुरक्षित बचपन अभियान के इसी अनुक्रम में जिले के साथ-साथ तालुक विधिक सेवा समिति छुईखदान में शासकीय प्राथमिक शाला कोर्राय छुईखदान, खैरागढ़ में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, बढ़ईटोला एवं अम्बागढ़ चौकी में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गौलीटोला में न्याय मित्रों द्वारा व्यापक स्तर पर विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के मध्य पॉक्सो अधिनियम की जानकारी प्रदान करते हुए गुड टच व बैड टच के बीच के अंतर को स्पष्टकर बच्चों को जागरूक किया गया।

वैज्ञानिक सोच और नई तकनीक के प्रति जिज्ञासा जगाने का बेहतरीन माध्यम बनेगा 'टिंकरथॉन'

जिला स्तरीय अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला मॉडल प्रतियोगिता टिंकरथॉन 2026' का सफल आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दुर्ग में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निर्देशानुसार तथा डाइट प्राचार्य पीसी मरकले के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला मॉडल प्रतियोगिता टिंकरथॉन 2026' का आयोजन 30 अक्टूबर शुक्रवार को केपीएस नेहरू नगर में किया गया। खास बात यह रही कि शासकीय स्कूलों से आए इन बच्चों के मॉडल और प्रेजेंटेशन को आईआईटी भिलाई के प्रोफेसरों ने मौजूद रह कर परखा और सराहा।

सुबह उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बाल संरक्षण आयोग छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों के हुनर को सराहते हुए कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नई तकनीक के प्रति जिज्ञासा जगाने का बेहतरीन माध्यम बनते हैं। आयोजन में स्वागत भाषण देते हुए डाइट प्राचार्य पीसी मरकले ने कहा कि स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता और व्यावहारिक शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'टिंकरथॉन 2026' का आयोजन एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि अटल इनोवेशन मिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप युवा मस्तिष्कों को पोषित करने के उद्देश्य से इसे तैयार किया गया है।

विशेष अतिथि शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक के. वी. राव ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए ये नवाचारी मॉडल आने वाले समय में देश के तकनीकी विकास को एक नई दिशा देंगे। दुर्ग के जिला शिक्षा अधिकारी जगदीश धीर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। केपीएस के चेयरपर्सन आनंद त्रिपाठी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में ऐसे आयोजन सहायक होंगे।

आयोजन में निर्णायक के तौर पर आईआईटी भिलाई से डीन डॉ संतोष विश्वास, प्रोफेसर डॉ महबूब आलम प्रोफेसर, डॉ अरुण उपाध्याय और प्रोफेसर डॉ अमित धर ने निष्पक्ष रूप से सभी मॉडलों का अवलोकन कर निर्णय लिया। नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि "नवाचार- सृजन-प्रेरणा" की थीम पर आधारित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में दुर्ग जिले के 14 अटल टिंकरिंग लैब स्वीकृत विद्यालयों के कुल 43 उत्कृष्ट मॉडलों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी नवाचारी सोच और वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया। अपने-अपने मॉडल पर इन बच्चों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया और निर्णायकों तथा उपस्थित लोगों को विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं संयोजन में समन्वयक प्रभारी डॉ नीलम दुबे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ शिशिर कना भट्टाचार्य, संध्या शर्मा, वंदना सिंह सहायक प्राध्यापक, व्याख्याता सुषमा हिरवानी तथा आभा वर्मा खोसला का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ वंदना सिंह ने किया।

प्रतियोगिता परिणाम के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वैशाली नगर के विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट मॉडल के साथ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता विद्यार्थियों में एंजेल, पायल, कविता साहू, लकी, मिताली देवांगन, सानिया, खुशी साव, हेमा यादव, संजना चौधरी, गीत, सबरीन खातून, इच्छा साहू, नताशा गुप्ता, कशिश देवांगन एवं माही पटेल शामिल रहे तथा इनके मार्गदर्शक समन्वयक संगीता सिंह बघेल, रितु हांडा, भावना शुक्ला एवं अजरा परवीन रहे। इसी प्रकार स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कुम्हारी ने अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों में अमूल्य कुमार सिंह, नैतिक आमड़े, चंदन धारिया, निर्मला साहू एवं तनिषा पटेल शामिल रहे तथा इनके मार्गदर्शक समन्वयक अजय सिंह रहे। प्रतियोगिता में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय सेलूद के विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी मॉडल के बल पर तृतीय स्थान अर्जित किया। विजेता विद्यार्थियों में गौरव साहू, हुलास कुमार साहू, वेदांत साहू, विवान साहू, योगराज देवांगन, ईशान वर्मा एवं दिकेश चंद्राकर शामिल रहे तथा इनकी मार्गदर्शक समन्वयक सपना कुशवाहा एवं रोहिणी सिंह रहीं।

तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने पर युवक की मौत, बाइक चालक को 5 साल की सजा



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर के न्यायालय द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 55/2026, राज्य विरुद्ध मोहित कुमार बघेल एवं अन्य में पारित निर्णय के माध्यम से तेज एवं खतरनाक वाहन चालन से हुई युवक की मृत्यु के मामले में दोनों अभियुक्तों को दोषसिद्ध करते हुए दंडित किया गया है।

प्रकरण के अनुसार, दिनांक 04 अगस्त 2025 को रात्रि लगभग 08:30 बजे इंदु आई.टी. स्कूल, कोहका के पास अभियुक्त मोहित कुमार बघेल द्वारा मोटरसाइकिल क्रमांक CG-07-CW-2768 को तेज गति एवं खतरनाक तरीके से चलाते हुए विपरीत दिशा में ले जाकर सामने से आ रही एक्टिवा क्रमांक CG-19-A-2771 को टक्कर मार दी गई थी। उक्त दुर्घटना में एक्टिवा चालक शादान अली को गंभीर चोटें आईं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई। एक्टिवा में पीछे बैठे उत्तम कुमार पाण्डेय भी घायल हुए थे।

प्रकरण के विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत मौखिक, चिकित्सकीय एवं तकनीकी साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए न्यायालय ने अभियुक्त मोहित कुमार बघेल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 एवं 110 तथा मोटर यान अधिनियम की धारा 184 एवं 3/181 के अंतर्गत आरोप प्रमाणित पाए। वहीं, अभियुक्त मोहन लाल बघेल के विरुद्ध अपने आधिपत्य की मोटरसाइकिल बिना वैध चालन अनुज्ञप्ति वाले व्यक्ति को सार्वजनिक स्थान पर चलाने हेतु देने के संबंध में मोटर यान अधिनियम की धारा 5/180 के अंतर्गत आरोप प्रमाणित पाए गए।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 के अंतर्गत 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,000 अर्थदंड। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 110 के अंतर्गत 03 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,000 अर्थदंड। मोटर यान अधिनियम की धारा 184 के अंतर्गत 10 माह का साधारण कारावास एवं 3,000 अर्थदंड। मोटर यान अधिनियम की धारा 3/181 के अंतर्गत 03 माह का साधारण कारावास एवं 5,000 अर्थदंड से दंडित किया गया है।

अभियुक्त मोहन लाल बघेल को मोटर यान अधिनियम की धारा 5/180 के अंतर्गत 03 माह का साधारण कारावास एवं ?5,000 अर्थदंड से दंडित किया गया है। न्यायालय द्वारा अभियुक्त मोहित कुमार बघेल को विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दी गई कारावास की सजाएं एक साथ भुगताए जाने का आदेश दिया गया है। यह निर्णय सार्वजनिक मार्गों पर यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन चालन तथा बिना वैध चालन अनुज्ञप्ति के वाहन संचालन की अनुमति देने के विधिक दायित्व के महत्व को रेखांकित करता है।

धमतरी पुलिस का गौ-तस्करों पर बड़ा प्रहार : क्रूरतापूर्वक परिवहन किए जा रहे 13 गौवंश बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी



एसपी श्रीमती भावना पांडेय के निर्देशन में गौ-तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मगरलोड पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने क्रूरतापूर्वक परिवहन किए जा रहे 13 गौवंशों को बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना मगरलोड पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम भोथा से ग्राम डोंनर जाने वाले कच्चे मार्ग पर नाका के पास दो चारपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हालत में लावारिस खड़े हैं, जिनमें अवैध रूप से गौवंशों का परिवहन किया जा रहा है।

सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ग्रामीणों एवं गवाहों की उपस्थिति में जांच करने पर एक बिना नंबर प्लेट की टाटा योद्धा 1700 के डाला में 07 गौवंश और कुछ दूरी पर खड़ी बोलेरो मैक्स पिकअप में 06 गौवंश मिले। दोनों वाहनों में कुल 13 गौवंशों को बिना चारा-पानी के अत्यंत अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। परिवहन के दौरान दम घुटने और दुर्घटना के कारण एक बछड़े की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने पशु चिकित्सक को बुलाकर सभी 12 जीवित गौवंशों का स्वास्थ्य परीक्षण और मृत बछड़े का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद नगर पालिका कुरूद के काऊ कैचर वाहन की सहायता से सभी जीवित गौवंशों को गुरु गायत्री गौशाला समिति, ग्राम हाथबाय, जिला गरियाबंद में सुरक्षित रूप से पुनर्वासित कराया गया।

आरटीओ से जानकारी लेकर वाहन मालिकों को तलब किया गया। विवेचना में दोनों चालकों की संलिप्तता पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी में मधु शंकर लहरे (26) निवासी पाईकभांटा, थाना सिहावा, धमतरी अजय बंजारे (22) निवासी पाईकभांटा, थाना सिहावा, धमतरी शामिल हैं। जप्त सामग्री में टाटा योद्धा 1700 कीमत 3 लाख और बोलेरो मैक्स पिकअप कीमत 3 लाख, कुल 6 लाख के वाहन और 13 गौवंश। थाना मगरलोड में अपराध क्रमांक 195/2026 धारा 4, 6, 10 छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 एवं धारा 11 पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर आयुक्त ने किया कल्याण कॉलेज का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त श्रीमती सुरुचि सिंह ने आगामी निकाय चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सेक्टर-7 स्थित कल्याण कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव सामग्री वितरण एवं वापसी की व्यवस्था के लिए निर्धारित स्थलों का जायजा लिया। साथ ही स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल तथा पार्किंग व्यवस्था के लिए उपलब्ध मैदान का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने चुनाव प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदान में अनावश्यक रूप से उगी घास की ग्रास क्लियरिंग कराने तथा पूरे परिसर में व्यापक सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चुनाव कार्य से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के साथ दुरुस्त किया जाए, ताकि सामग्री वितरण एवं वापसी, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा, मतगणना और पार्किंग के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

43 साल की शासकीय सेवा के बाद उप संचालक देवेन्द्र कुमार चौबे सेवानिवृत्त, दी गई विदाई

दुर्ग। संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन दुर्ग में पदस्थ उप संचालक देवेन्द्र कुमार चौबे के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। चौबे ने अपने 42 वर्ष 9 माह के शासकीय सेवाकाल में विभिन्न विभागों में सेवाएं देते हुए अपनी कार्यकुशलता, कर्तव्यनिष्ठा और अनुभव से अलग पहचान बनाई। संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन कार्यालय में विगत पांच वर्षों से पदस्थ रहते हुए उन्होंने संभाग के विभिन्न कार्यालयों के पेंशन प्रकरणों तथा जटिल वेतन निर्धारण संबंधी मामलों का त्वरित निराकरण किया। उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में संभागीय कार्यालय, जिला कोषालय, कोषालय कर्मचारी संघ, बीईओ कार्यालय दुर्ग, एसपी कार्यालय, सीएमएचओ कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सहित उनके परिवारजन और मित्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कैलाश साहू ने चौबे के 42 वर्ष 9 माह के सेवाकाल और विभिन्न विभागों में उनकी पदस्थापना के दौरान अर्जित उपलब्धियों की जानकारी दी।

दीपावली से पहले बाजारों की साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने निगम का विशेष अभियान

आयुक्त लीना कोसम ने इंदिरा मार्केट से बनियापारा तक किया निरीक्षण, व्यापारियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



दीपावली पर्व को देखते हुए शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त लीना कोसम के निर्देश पर निगम का स्वास्थ्य विभाग शहर के प्रमुख बाजारों सहित सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटा हुआ है।

इसी कड़ी में शनिवार सुबह आयुक्त लीना कोसम ने शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र इंदिरा मार्केट सहित आसपास के बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने गांधी चौक से इंदिरा मार्केट होते हुए बनियापारा तक पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाजार क्षेत्रों में नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन और नालियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि दुकानों से निकलने वाले कचरे को सड़क अथवा सार्वजनिक स्थानों पर न फेंकें, बल्कि डस्टबिन में एकत्रित कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन को ही सौंपें। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक और व्यापारी की सहभागिता भी जरूरी है।

आयुक्त ने बताया कि दीपावली पर्व के मद्देनजर शहर के सभी 60 वार्डों में विशेष सफाई अभियान के तहत साफ-सफाई एवं नालियों की सफाई कराई गई है। प्रमुख बाजार क्षेत्रों में भी विशेष रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि त्योहार के दौरान बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों और व्यापारियों को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण मिल सके।

नगर निगम प्रशासन का लक्ष्य दीपावली पर्व के दौरान पूरे शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखना है। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला मौजूद रहा।

इलाज कराने आई महिला को अकेला पाकर की अश्लील हरकत, डॉक्टर को मिली सजा

बालोद। जिला न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) ताजुद्दीन आसिफ की अदालत ने साइटिका बीमारी का इलाज कराने पहुंची महिला से जांच के दौरान छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने वाले डॉक्टर हेमशंकर साहू (32) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 में दो साल का सश्रम कारावास से दंडित किया। नक्शे देखें इसके अलावा 10 हजार रुपए अर्थदंड तथा धारा 75 में एक साल के सश्रम कारावास और 5 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया। अतिरिक्त लोक अभियोजक सनद कुमार श्रीवास्तव के अनुसार घटना 14 अगस्त 2026 की है। महिला साइटिका का इलाज कराने डॉक्टर के पास पहुंची थी। साथ आए व्यक्ति को बाहर भेजने के बाद डॉक्टर ने महिला के साथ अश्लील हरकत की। उसे दूसरे कमरे में ले जाने का प्रयास किया।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100